स्काउट गाइड
ज्योति

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की आमुख पत्रिका
वर्ष-23, अंक-04, अक्टूबर, 2022 (कुल पृष्ठ-28) मूल्य : रु. 15/-

THE BHARAT SCOUTS AND GUIDES
18 National Jamboree
Progress With Peace
4-10 JANUARY, 2023
ROHAT, PALI MARWAR, RAJASTHAN

चौमू (जयपुर) में ग्रामीण ओलंपिक खेलों के शुभारम्भ पर खेलों के सुचारू आयोजन में सहयोग करने वाले स्काउट्स गाइड्स के मध्य माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत

राज्य परिषद अधिवेशन में स्वागताभिनन्दन

स्मृति चिन्ह प्रदान कर राज्य संगठन अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा का स्वागत करते हुए श्री निरंजन आर्य

साफा पहनाकर स्मृति चिन्ह प्रदान कर श्री निरंजन आर्य का स्वागत

सिरोही जिला कलक्टर डॉ. भंवर लाल का स्वागत

राज्य संगठन उपाध्यक्षों का स्वागत

श्री आत्माराम टिबड़ा

डॉ. रूपराज भारद्वाज

श्रीमती ओम गहलोत

श्रीमती मिथलेश शर्मा

श्रीमती विमला मेघवाल

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 23 अंक : 04
अक्टूबर, 2022

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

गौरव अग्रवाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया
राज.लेखा सेवा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

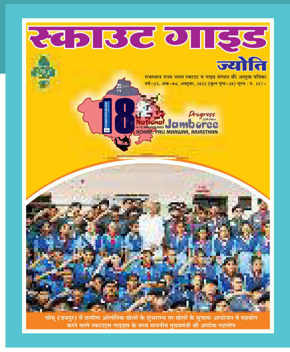

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
• दिशाबोध	4
• संपादकीय	4
• विशेष : जम्बूरी समीक्षा बैठक	5
• राज्य परिषद का 72वाँ वार्षिक अधिवेशन	6
• बालचर आवासीय विद्यालय	8
• हर वर्ल्ड हर वॉयस फिएस्टा	9
• मुख्यमंत्री को स्काउट गाइड द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर	9
• आधुनिकता की आँधी	10
• जम्बूरी विशेष : जम्बूरी कोर कमेटियों में पाली जिले के अधिकारीगण	11
• जम्बूरी विभागवार कोर कमेटियाँ	13
• हमारे महापुरूष : डॉ. ए.जी.जे. अब्दुल कलाम	14
• बदलते परिवेश में बदले गुरुजन	16
• हमारा स्वास्थ्य : पहला सुख निरोगी काया	18
• पर्यटन स्थल : घना राष्ट्रीय पक्षी अभयारण्य	19
• गतिविधि दर्पण	21
• दक्षता पदक	25
• गतिविधि पञ्चांग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क :150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

सेवा का सामर्थ्य

अक्टूबर का महिना अन्धकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत को उत्साह व उल्लास से मनाने और स्नेह व प्रेम के धागों को प्रगाढ़ता प्रदान करने के त्यौंहारों से परिपूर्ण है। नवरात्रि, महानवमी, दशहरा, बारावफात और दिपावली के पावन पर्व से आनन्दित होने का यह माह हमें अनेक शिक्षाएं प्रदान करता है। सभी को विदित ही है कि हमारे स्काउट गाइड पर्वो व त्यौंहारों पर अपने परिवार तक ही सीमित नहीं रहते हैं, अपितु इन अवसरों पर आयोजित धार्मिक सामाजिक कार्यक्रमों, मेलों इत्यादि में 'सेवा का सामर्थ्य' रखते हुए अपनी निःस्वार्थ सेवाएं प्रदान करने में भी अग्रसर रहते हैं। और यही कारण है कि यह संगठन एक अनुठी सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त है।

गत माह शिक्षकों के गौरव व सम्मान का महिना था। प्रदेश के अनेक शिक्षकों ने राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत होकर प्रदेशवासियों को गौरवान्वित किया है। शिक्षक न केवल ज्ञान उपलब्ध कराते हैं, वरन् अनेक सरकारी कार्यक्रमों की पूर्ति के लिए भी इनका सहयोग लिया जाता है। आज अनेक शिक्षक सह–शैक्षिक गतिविधियों यथा स्काउटिंग, एनएसएस, एन.सी.सी. आदि से जुड़ कर विद्यार्थियों को उसका भी प्रशिक्षण प्रदान कर समाज के उत्थान में अहम् भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। पूरी तरह से सामंजस्य और समन्वय रखते हुए जो शिक्षक अपने प्रत्येक क्षेत्र में सर्वोच्च प्रदर्शन करता है उसे प्रदेश सरकार शिक्षक दिवस पर राजकीय समारोह में सम्मानित करती है। यह सम्मान न केवल उन शिक्षकों का है बल्कि उन सभी का है जिन जिनसे वह जुड़ा हुआ है। ऐसे ही हमारे स्काउट गाइड संगठन से जुड़े हुए शिक्षकों को इस उपलब्धि के लिए प्रदेश संगठन की ओर से हार्दिक बधाई।

अन्त में, शिक्षक सम्मान प्राप्त सभी शिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए प्रदेश के सभी शिक्षकों से आह्वान करता हूँ कि प्रत्येक विद्यालय में स्काउटिंग गाइडिंग प्रारम्भ करने में अपना सहयोग प्रदान करें।

सभी को महानवमी, दशहरा व दिपावली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं.....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

स्थानीय संघों, जिलों/मण्डलों एवं राज्य मुख्यालय के परिषद् के वार्षिक अधिवेशन सितम्बर माह में सम्पन्न किये गये हैं। इस लिहाज से सितम्बर का महिना हमारे स्काउट गाइड प्रदेश संगठन के लिए परीक्षा का समय कहा जा सकता है। परिषदों के वार्षिक अधिवेशन भी एक प्रकार की परीक्षा ही तो है। वर्ष पर्यन्त आपको क्या करना था, आपने क्या किया और इस सब में किस प्रकार की कमी रही अथवा किस–किस में आपने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया....इन सब बातों का जवाब इसी अधिवेशन में देना होता है। वार्षिक अधिवेशन ही एक ऐसा मंच है जहाँ आपको अपना रिपोर्ट कार्ड स्वयं बताना होता है।

प्रत्येक संगठन जिसमें स्वच्छ एवं स्वस्थ व्यवस्था को अपनाया जाता है, में वार्षिक अधिवेशनों का आयोजन आवश्यक रूप से किया जाता है। हमारा संगठन भी पूर्णतः ऐसी ही व्यवस्था पर आधारित है। यहाँ प्रत्येक स्तर पर कार्यकारिणी एवं कॉन्सिल गठित है और इनके वार्षिक अधिवेशन एक ऐसा महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं, जिसमें सत्र के दौरान सम्पन्न विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं अर्जित उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए भावी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के आयोजन हेतु सर्वोच्च सदन में विचार–विमर्श तथा कार्य योजनाओं पर मंथन किया जाता है। नये सुझाव और नयी विचारधारा का संगठन में आगमन होता है।

इसी व्यवस्था के कारण हमारा प्रदेश संगठन प्रत्येक वर्ष नवीन एवं अभिनव योजनाओं और गतिविधियों के आयोजन के माध्यम से समाज में अपना स्थान एवं मान्यता बनाने में कामयाबी के कदम बढ़ाता रहा है।

आगामी कार्यक्रमों और लक्ष्यों की पूर्ति के लिए मेरी ओर से सभी को शुभकामनाएं....

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

जम्बूरी समीक्षा बैठक

जम्बूरी रहेगी आकर्षण का केन्द्र - निरंजन आर्य

भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन रीको एरिया, ग्राम नीमली ब्राह्मणान, तहसील रोहट, जिला पाली में किया जा रहा है।

राज्य सचिव डॉ पी.सी.जैन ने बताया कि राजस्थान प्रदेश में 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन 66 वर्ष बाद किया जा रहा है इससे पूर्व जयपुर में 1956 में राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन किया गया था।

रीको एरिया, ग्राम नीमली ब्राह्मणान, तहसील रोहट, जिला पाली में आयोज्य 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी की तैयारियों को लेकर स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने 20 सितम्बर 2022 को रिव्यू बैठक में जम्बूरी को सफल बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। बैठक में श्री आर्य ने कहा की यह राष्ट्रीय जम्बूरी राजस्थान प्रदेश के लिए गौरवशाली एवं ऐतिहासिक जम्बूरी रहेगी क्योंकि इसमें विदेशी राष्ट्रों से 1500 संभागियों सहित सम्पूर्ण भारत वर्ष से 35 हजार स्काउट्स गाइड्स सहभागिता करेंगे। जम्बूरी को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों यथा रीको, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, विद्युत, पुलिस, रसद सहित अनेक विभागों को अलग–अलग कार्य करने की जिम्मेदारियां दी गई है।

राज्य सचिव डॉ. पी.सी जैन ने बताया कि जम्बूरी में शिविर कला (कैम्प क्राफ्ट), स्टेट गेट, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, कैम्प फायर, कैम्प फायर, रंगोली, पेट्रोल इन कौन्सिल, मार्च पास्ट, स्काउट गाइड स्किल, सिग्नेलिंग मौर्स एवं सीमाफोर, फर्स्टएड, एस्टीमेशन, टैन्ट पिचिंग, ग्लोबल डवलपमेन्ट विलेज, कलर पार्टी, स्किल–ओ–रामा, राज्य प्रदर्शनी, यूथ फोरम, झांकी प्रदर्शन, फूड प्लाजा, लोक नृत्य, राज्य का प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी, व्यायाम प्रदर्शन, बैण्ड प्रदर्शन, मनोरंजन गतिविधियां, साहसिक गतिविधियां, बौद्धिक गतिविधियां, दक्षता एवं सेवा सम्बन्धी गतिविधियां, भावनात्मक एकता के खेल एवं सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, आजादी का अमृत महोत्सव जैसे विभिन्न कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

राजस्थानी संस्कृति का होगा जीवन्त प्रदर्शन -

स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने बताया कि 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजन स्थल पर राजस्थान की विभिन्न सांस्कृतिक ऐतिहासिक, रहन–सहन, खान–पान एवं विविध लोक कलाओं का जीवन्त प्रदर्शन प्रोफेशनल कलाकारों एवं राजस्थान के स्काउट्स गाइड्स द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर राजस्थान दिवस का भी आयोजन किया जायेगा, जिसमें राजस्थान प्रदेश की सम्पूर्ण संस्कृति प्रदर्शित की जायेगी। जम्बूरी की तैयारियों को लेकर विभिन्न समितियों का गठन किया जाकर आवश्यक कार्य संपादित किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्नालाल, कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त पूरणसिंह शेखावत, सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी, श्रीमती नीता शर्मा, लेखा प्रभारी टीकम चंद गुप्ता सहित जम्बूरी प्रकोष्ठ में कार्यरत कार्मिक व अन्य उपस्थित रहे।

राज्य परिषद का 72वाँ वार्षिक अधिवेशन

14 सितम्बर 2022, स्थान : आनन्द वाटिका, खारडा-रोहट (पाली)

कार्यवृत्त

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स के राज्य परिषद का 72वाँ वार्षिक अधिवेशन 14 सितम्बर 2022 को आनन्द वाटिका, खारडा–रोहट (पाली) पर राज्य संगठन के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य, राज्य संगठन उपाध्यक्ष श्री आत्माराम टिबड़ा, डॉ. रूपराज भारद्वाज, श्रीमती ओम गहलोत, श्रीमती मिथलेश शर्मा, श्रीमती विमला मेघवाल सहित 104 सदस्यों की उपस्थिति रही। अधिवेशन की कार्यवाही का विवरण निम्न प्रकार है:–

(1) माननीय अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से प्रार्थना के साथ अधिवेशन की कार्यवाही का शुभारम्भ हुआ। तत्पश्चात राज्य संगठन की ओर से डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव द्वारा मंचासीन पदाधिकारियों एवं परिषद सदस्यों का शाब्दिक स्वागत तथा मंचासीन पदाधिकारियों को स्कार्फ एवं साफा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

(2) डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव ने माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एवं चीफ नेशनल कमिश्नर श्री के.के. खण्डेलवाल से प्राप्त शुभकामना संदेशों का पठन किया।

(3) श्री पूरणसिंह शेखावत, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) (कार्यवाहक) ने राज्य परिषद के 71वें वार्षिक अधिवेशन, जो कि दिनांक 31 अक्टूबर, 2021 को आयोजित हुआ था, का कार्यवृत जो कि सभी सदस्यों को पूर्व पत्रांक 5009 दिनांक 31.10.2021 द्वारा प्रेषित किया जा चुका था, पुष्टि हेतु प्रस्तुत किया, जिसकी सदन द्वारा पुष्टि की गई।

(4) गत अधिवेशन के कार्यवृत की अनुपालना प्रतिवेदन सदन के समक्ष बिन्दुवार स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया, जिस पर सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

(5) संगठन द्वारा सत्र 2021–22 में सम्पन्न विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों का वार्षिक प्रतिवेदन सदन के समक्ष श्री बन्ना लाल, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसकी पुष्टि की गई। वार्षिक प्रतिवेदन को संगठन की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है।

(6) वित्तीय वर्ष 2021–22 के चार्टेड अकाउण्टेंट द्वारा अंकेक्षित लेखा प्रतिवेदन एवं ऑडिट रिपोर्ट सदन के समक्ष राज्य कोषाध्यक्ष श्री ललित कुमार मोरोडिया की अनुपस्थिति में लेखाधिकारी श्री टी.सी. गुप्ता द्वारा स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई, जिसे सदन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

(7) वित्तीय वर्ष 2022–23 का बजट स्वीकृति हेतु सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया, सदन द्वारा विचार–विमर्श के पश्चात बजट को स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए राज्य परिषद के आगामी अधिवेशन तक अनुमानित बजट को ऑपरेट करने का अधिकार माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय को दिए जाने का प्रस्ताव सदन द्वारा स्वीकृत किया गया।

(8) वर्ष 2022–23 के लिए स्टेट एसोसिएशन के लेखों का अंकेक्षण करने हेतु विजय दिनेश एण्ड कम्पनी चार्टेड एकाउन्टेंट्स, जयपुर को 22000/– रू. मानदेय पर अंकेक्षक नियुक्त करने के प्रस्ताव को सदन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। उनके द्वारा राज्य मुख्यालय, इक्यूपमेंट स्टोर, एन.जी.सी. आदि के लेखों का अंकेक्षण भी किया जावेगा।

(9) राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री बन्नालाल द्वारा गत सत्र में घोषित विभिन्न अलंकार– पुरस्कारों तथा गत सत्र में लीडर ट्रेनर योग्यता प्राप्त लीडर्स की सूचना सदन के समक्ष प्रस्तुत की गई।

(10) अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से कोई भी प्रस्ताव विचारार्थ प्रस्तुत नहीं किया गया।

(11) डॉ. पी.सी.जैन, राज्य सचिव द्वारा 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी के आयोजन की विभिन्न तैयारियों बावत सदन को संक्षिप्त जानकारी प्रदान की गई। साथ ही जम्बूरी तैयारियों हेतु पी.डब्ल्यू.डी., रीको, द्वारा संक्षिप्त प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। डॉ. जैन द्वारा तैयारियों में सहयोग प्रदान करने के लिए जिला कलेक्टर, सिरोही, पी.डब्ल्यू.डी., रीको, पी.एच.ई. डी., नगर परिषद पाली, पंचायत समिति, रोहट आदि का आभार व्यक्त किया। साथ ही स्थानीय आयोजकों के विशेष सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित करते हुए माननीय श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, अध्यक्ष एवं स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

(12) डॉ. भंवरलाल, जिला कलेक्टर, सिरोही एवं स्टेट कमिश्नर (कब) द्वारा संगठन के लगातार संख्यात्मक एवं गुणात्मक वृद्धि के लिए स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय का आभार व्यक्त किया तथा कोविड काल में संगठन के कार्यकर्त्ताओं द्वारा की गई सेवाओं की सराहना की। उन्होंने आश्वस्त किया कि जम्बूरी का आयोजन सभी के सहयोग से सफलतापूर्वक किया जावेगा।

स्टेट चीफ कमिश्नर का उद्बोधन

श्री निरंजन आर्य, स्टेट चीफ कमिश्नर ने अपने उद्बोधन में राज्य परिषद के सम्मानित सदस्यों का अभिवादन करते हुए कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग का विकास विस्तार आप जैसे कर्मठ कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से संभव हुआ है। प्रदेश संगठन ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है, इस हेतु आप सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश में 67 वर्षो बाद माननीय मुख्यमंत्री महोदय की पहल पर राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें सहभागिता और इसे सफल बनाने का अवसर जीवन में शायद दुबारा नहीं आयेगा, अतः हमें प्रदेश की प्रतिष्ठा के अनुसार इसका सफलतापूर्वक आयोजन किया जाना है। उन्होंने बाल्यकाल में संगठन से जुड़े अपने अनुभव भी सदन के समक्ष साझा किये, साथ ही सदन को यह भी अवगत कराया कि जम्बूरी आयोजन को राज्य सरकार का सम्पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। अतः जम्बूरी आयोजन की गतिविधियों–कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक करने की जिम्मेदारी आप सभी निःस्वार्थ सेवाभावी कार्यकर्त्ताओं की है। अन्त में उन्होंने माननीय अध्यक्ष महोदय का आभार व्यक्त किया और अपेक्षा की कि उनका सहयोग एवं मार्गदर्शन सदैव प्राप्त होता रहेगा।

राज्य संगठन अध्यक्ष का तिलक कर स्वागत करती हुई गाइड

राज्य संगठन अध्यक्ष का उद्बोधन

अध्यक्षीय उद्बोधन में संगठन के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा जी ने सर्वप्रथम मंचासीन पदाधिकारियों एवं विराजमान परिषद के सम्मानित सदस्यों, जन प्रतिनिधियों एवं स्थानीय कार्यकर्त्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे एक शिक्षक पुत्र हैं तथा बाल्यकाल में स्काउटिंग से जुड़े रहे, स्काउट पोषाक पहनकर चलने में अन्य लोगों से पृथक होने की अनुभूति होती थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इससे पूर्व जम्बूरी का आयोजन उनके जन्म से पूर्व हुआ था और आज वे स्वयं इस जम्बूरी के सहभागी हैं, जो निःसंदेह गौरव का विषय है। जम्बूरी के सफल आयोजन के लिए स्वयं तथा राज्य सरकार स्तर पर सम्पूर्ण सहयोग प्रदान किए जाने हेतु आश्वस्त करता हूँ। उन्होंने सदन को यह भी अवगत कराया कि जम्बूरी के अवसर पर उद्घाटन के लिए माननीय प्रधानमंत्री महोदय एवं समापन के लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदया को आमंत्रित किया जावेगा। अन्त में अध्यक्ष महोदय द्वारा स्काउट गाइड संगठन द्वारा अर्जित की जा रही उपलब्धियों की सराहना की और पधारे हुए सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अन्त में श्री बाबूसिंह राजपुरोहित, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) द्वारा उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संगठन के विकास– विस्तार में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले महानुभावों के साथ ही राज्य सरकार, शिक्षा विभाग, पर्यावरण विभाग, जिला प्रशासन, प्रेस–मीडिया, भामाशाहों आदि का आभार प्रकट किया।

राष्ट्रगान के साथ राज्य परिषद की कार्यवाही सम्पन्न की गई।

विशेष

बालचर आवासीय विद्यालय

शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों को वितरित किए ट्रेक-सूट

राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय, जगतपुरा, जयपुर में 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री महेन्द्र पारख, आई.ए.एस. एवं स्टेट कमिश्नर वयस्क प्रशिक्षण ने शिरकत की। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन ने शाब्दिक स्वागत के साथ कार्यक्रम को आगे बढाया।

राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय के छात्रों का शिक्षण कार्य गुरूकुल की भांति प्रकृति की गोद में सम्पूर्ण दिनचर्या के साथ नियमित अध्ययन कार्य होता है। इस अवसर पर पधारे राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन ने शिक्षक दिवस पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन से परिचय करवाया तथा उनकी सादगी एवं ज्ञान की सम्पूर्ण परिकल्पना एवं ऊँचाइयों के बारे में जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री महेन्द्र पारख ने छात्रों को 5 P के बारे में जानकारी प्रदान की। जिसमें Punctuality समय की पाबन्दी, Pleasant सुखद, Poure शुद्धता, Polite विनम्र, Positive सकारात्मक व्यवहार पर जीवन में हमेशा ध्यान रखने तथा भोजन को वेस्ट नहीं करने पर अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर आवासीय विद्यालय की ओर से सभी छात्रों को ट्रैक सूट का वितरण किया गया। शिक्षक दिवस के इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के प्रीति अवस्थी, राजेन्द्र यादव, मोना शर्मा, रीना, आशिष भारद्वाज तथा छवी राणा उपस्थित रहे।

विशेष

हर वर्ल्ड हर वॉयस फिएस्टा

संगम वर्ल्ड सेंटर, पुणे में 01 सितम्बर से 04 सितम्बर, 2022 तक आयोजित हर वर्ल्ड हर वॉयस फिएस्टा कार्यक्रम में राजस्थान से हर वर्ल्ड हर वॉयस परियोजना की स्टेट कॉर्डिनेटर प्रियंका प्रजापत एवं प्रियदर्शिनी ऑपन रेंजर टीम की आयुषि राजावत, हर्षिता खर्रा और चौमूं पारिक कॉलेज से मिनल वर्मा ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए आयोजित गतिविधियों में सफलता पूर्वत सहभागिता की।

उक्त कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नेशनल कमिश्नर (स्काउट) मनीष कुमार मेहता, नेशनल कमिश्नर (रोवर) जितेश सेठ, संयुक्त निदेशक भारत स्काउट व गाइड दर्शना पावस्कर, प्रोजेक्ट मैनेजर हिमांशी तोमन की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, बिहार, नागालैंड, महाराष्ट्र इत्यादि राज्यों के स्टेट कॉर्डिनेटर एवं रेंजर्स ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे इन्टरनेशनल कैम्प फायर, वैग्स गेम्स, फिर मिलेंगे गाला इवेंट नाइट इत्यादि में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री को स्काउट गाइड द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर

राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक के ब्लॉक स्तरीय समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत दिनांक 12 सितम्बर, 2022 को विधानसभा क्षेत्र चौमूं के वीर हनुमान मार्ग खेल स्टेडियम चौमूं में बतौर समारोह के मुख्य अतिथि पधारे। राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं में स्काउट्स गाइड्स निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। समारोह में माननीय मुख्यमंत्री महोदय को स्काउट कलर पार्टी इंचार्ज प्रताप सोनी के नेतृत्व में कलर पार्टी द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। समारोह के अंत में माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने स्थानीय संघ चौमूं के स्काउट गाइड रोवर रेंजर को शुभकामनाएं दी व स्काउट गाइड बच्चों के साथ फोटो भी खिंचवाई जिससे बच्चों का उत्साहवर्धन हुआ।

आधुनिकता की आँधी

◆ गायत्री दाधीच
रेंजर
चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)

आधुनिकता की बढ़ती चकाचौंध और रंगीन दुनिया के इस दौर में हमारी संस्कृति और सभ्यता के आँचल से हम धीरे–धीरे दूर होते जा रहे हैं। आधुनिकता एक ऐसी आँधी है जो शनैः शनैः स्वयं में सभी स्तर के लोगों (यथा सामान्य, निम्न और उच्च) को रफ्तार के साथ लपेटे जा रही है, इसका सीधा–सीधा प्रभाव नवीन पीढ़ी पर देखने को मिल रहा है। वर्तमान पीढ़ी के बच्चों, युवाओं में ऐसे परिवर्तन दृष्टिगत हो रहे हैं जिन्होंने सामाजिक सम्बन्धों को बिखेर कर रख दिया है। इस आयु वर्ग के सभी युवा अपने परिवार, रिश्तेदारों यहाँ तक कि अपने आपसे दूर होते जा रहे हैं। इसके चलते स्वयं का अस्तित्व भी जानने में हम असमर्थ प्रतीत होते हैं।

आज हर कोई व्यक्ति अपने पारिवारिक रिश्तों को अहमियत देने की अपेक्षा एक काल्पनिक दुनिया को महत्व देता है, जो इस आधुनिकता, प्रौद्योगिकी और तकनीकी के बढ़ते प्रचलन का परिणाम है। उदाहरणार्थ इन्टरनेट और सोशल साइट्स का उपयोग।

आज हर व्यक्ति छोटे बड़े व्यापारी, उद्योगपति से लेकर एक मजदूर, यहाँ तक कि एक अनपढ़ व्यक्ति भी मोबाइल के उपयोग को भली भाँति जानता है, इसकी सुविधाओं का लाभ उठा रहा है। मोबाइल के उपयोग के बढ़ते प्रचलन में सबसे ज्यादा उसका उत्साह युवाओं और स्कूली छात्र–छात्राओं में देखने को मिलता है, हम खुद भी कहीं न कहीं इसका हिस्सा जरूर है। हमेशा अपने परिचित अपरिचित मित्रों के साथ चैटिंग (बात) करने में अपने स्तर को उच्च और व्यवस्थित करके आदर्श दिखाने के प्रयत्न में घण्टों बर्बाद कर देते हैं। इस व्यवस्था के कारण अधिकतर समय कम्प्यूटर स्क्रीन के सामने या मोबाइल फोन के साथ ही व्यतीत हो जाता है। इंटरनेट के लगातार और अधिक समय तक सम्पर्क में रहने से स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव दृष्टिगोचर होता है, जैसे कमर में दर्द, सिर दर्द, चिड़चिड़ापन, तनाव इत्यादि।

एक ओर सूचना प्रौद्योगिकी ने इन्टरनेट के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में पास लाकर रख दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि देश ही नहीं अपितु विश्व में किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से कुछ ही क्षणों में सम्पर्क किया जा सकता है, यहाँ तक कि आमने–सामने देखकर बात भी की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर इसके कई घातक प्रभाव सामाजिक परिस्थितियों और समाज पर देखने को मिल रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के इस बढ़ते प्रचलन से कई अनैतिक, असामाजिक व अमानवीय हिंसक घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसको हम साइबर क्राइम के रूप में परिभाषित कर सकते हैं। प्रौद्योगिकी के इस दुरूपयोग से आतंकवाद, भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी जैसी घटनाओं को चंद सैकण्ड में अन्जाम दिया जा सकता है।

जहाँ सूचना प्रसार के उपयोग के कारण इसे (इन्टरनेट) ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' के जैसे चरितार्थ करने में व्यक्ति को सफल माना जा रहा है, वहीं इसका दूसरा पहलू कुछ और ही है........ क्योंकि आज के इस समय में सामाजिक रिश्तों की नींव धीरे–धीरे खोखली होती जा रही है। एक ओर लोग विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं और दूसरी ओर हालात यह है कि वह अपने पड़ौसियों के नाम से भी परिचित नहीं है।

आधुनिकता की इस आँधी ने समाज के सभी क्षेत्रों पर प्रभाव डाला है, इस आँधी ने हमें और हमारे संस्कारों, संस्कृति और सभ्यता के सम्पर्क से कोसों दूर पटक दिया है। इस रंगीन दुनिया में किसी भी व्यक्ति से आकर्षित होना और उस ओर खींचा जाना एक सामान्य सी बात है। यह सच है कि इन्टरनेट ने हमें जिन्दगी में कई सुविधाएं प्रदान की है परन्तु यह उपयोगी और लाभदायक तभी सिद्ध हो सकता है जब इसे सही कार्यों के लिये और नियमित समय के लिये उपयोग में लाया जाये।

इन सभी को मध्यनजर रखते हुए वर्तमान की आवश्यकता और सुरक्षित सुनहरे भविष्य के लिये आधुनिकता के साथ हमारी संस्कृति एवं सभ्यता की छाँव होना आवश्यक है। हमें हमारी सभ्यता और संस्कृति के मायनों को भुलाने की बजाय उनको हमारे जीवन में उतारना चाहिये। संस्कार, सभ्यता और संस्कृति के पोषण से हम हमारी जिन्दगी को सफल और कामयाब बना सकते है, इसके लिये आवश्यक है आधुनिकता को अपनाये परन्तु इसकी आँधी और भंवरजाल में न फंसे।

जम्बूरी विशेष

जम्बूरी कोर कमेटियों में पाली जिले के अधिकारीगण

जिला कलक्टर, पाली के पत्र क्रमांक विकास/2022/1691 दिनांक 19.08.2022 के संदर्भ में 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी हेतु गठित कोर कमेटियों में जिला पाली के निम्नांकित अधिकारियों को सदस्य के रूप में सम्मिलित किया जाता है :–

क्र.सं.	कमेटी का नाम	अधिकारी का नाम	पद	विभाग
01	वित्त समिति	श्री संपतराज परिहार	कोषाधिकारी	कोषागार पाली
02	ले आउट एवं आवास (टैन्ट, शामियाना, छोलदारी इत्यादि) व्यवस्था समिति	श्री लाछाराम वाघेला	अधीक्षण अभियंता	सार्वजनिक निर्माण विभाग
03	विद्युत्त व्यवस्था समिति	श्री जे.आर.चौधरी	अधीक्षण अभियंता	जोधपुर वि.वि.नि.लि. पाली
04	जलापूर्ति व्यवस्था समिति	श्री मनीष माथुर	अधीक्षण अभियंता	पी.एच.ई.डी. पाली
		श्री नानुराम रोत	अधीक्षण अभियंता	सिचाईं विभाग, पाली
		श्री कानसिंह राणावत	अधिशासी अभियंता	पी.एच.ई.डी. पाली
05	स्नानघर एवं सैनिटेशन व्यवस्था समिति	श्री राजेन्द्र सिंह कविया	आयुक्त	नगर निगम, जोधपुर (उत्तर)
		श्री अरूण पुरोहित	आयुक्त	नगर निगम, जोधपुर (दक्षिण)
		श्री विरेन्द्र सिंह चौधरी	सी.ई.ओ. (कार्य.)	जिला परिषद पाली
		श्री ब्रजेश राय	आयुक्त	नगर परिषद पाली
		श्री शक्ति सिंह भाटी	उपखण्ड अधिकारी	उपखण्ड कार्यालय, रोहट
		श्री रामकिशोर सांखला	विकास अधिकारी (कार्य.)	पंचायत समिति, रोहट
06	भण्डार/स्टॉक समिति	श्री गणेश राम	लेखाधिकारी	जिला कलेक्टर कार्यालय पाली
07	बैक, एटीम, पोस्ट ऑफिस एवं अन्य सरकारी विभाग समन्वय समिति	श्री सुधाकर दुबे	मैनेजर	एल.डी.एम.लीड बैंक, पाली
08	चिकित्सा व्यवस्था समिति	डॉ. पी.सी.व्यास	अधीक्षक	राज.बांगड़ चिकित्सालय पाली
09	स्का. शॉप जम्बूरी किट व्यवस्था समिति	श्री प्रकाशचंद सिंघाडिया	सी.डी.ई.ओ.	मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पाली
10	गैस, ईंधन, डेयरी प्रोडेक्ट आपूर्ति एवं खाद्य सामग्री आपूर्ति एवं मार्केट व्यवस्था समिति	श्रीमती सुमित्रा पारीक	डी.एस.ओ.	जिला रसद अधिकारी कार्यालय
		श्री अरूण बारहट	जी.एम.	सहकारी भण्डार, जोधपुर
11	राजस्थान स्टेट स्तरीय प्रतियोगिता तैयारी समिति	श्री पी.पी.गोस्वामी	ए.एल.टी.(स्काउट)	सचिव स्थानीय संघ, सादड़ी
12	सांस्कृतिक कार्यक्रम व्यवस्था समिति	श्रीमती सुनिता जोनवाल	प्रधानाचार्या	से.मु.बालिया रा.बा.उ.मा.वि. पाली
		श्रीमती संगीता वर्मा	प्राचार्या	राजकीय बांगड महाविद्यालय पाली
13	प्रदर्शनी, सूचना और प्रौद्योगिकी व्यवस्था समिति	श्री राजेश चोधरी	ए.सी.पी.	सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग पाली
		श्री रविन्द्र वैष्णव	पी.आर.ओ.	सूचना एवं जनसंपर्क विभाग पाली
14	प्रिन्टिग कार्य, फलेक्स, प्रचार–प्रसार जम्बूरी स्मारिका प्रकाशन एवं दैनिक बुलेटीन प्रकाशन मीडिया व्यवस्था समिति	श्री राजेश चोधरी	ए.सी.पी.	सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग पाली
		श्री रविन्द्र वैष्णव	पी.आर.ओ.	सूचना एवं जनसंपर्क विभाग पाली
15	साज–सज्जा (जम्बूरी गेट, गमले, फलावर डेकोरेशन, कलर फलैक्स इत्यादि) व्यवस्था समिति	श्री रामावतार	सहायक निदेशक	उद्यानिकी विभाग, पाली

16	पंजीकरण व्यवस्था एवं वेबसाइट समिति	श्री राजेश चोधरी	ए.सी.पी.	सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग पाली
17	भोजन एवं जलपान व्यवस्था समिति	श्री विरेन्द्र सिंह चौधरी	सी.ई.ओ. (कार्य.)	जिला परिषद पाली
18	यातायात स्थानीय भ्रमण व्यवस्था समिति	श्री प्रकाश सिंह राठौड़	आर.टी.ओ.	प्रादेशिक परिवहन कार्यालय, पाली
		श्री रामनिवास बडगुर्जर	आर.टी.ओ.	प्रादेशिक परिवहन कार्यालय, जोधपुर
		श्री कुलदीप शर्मा	मुख्य प्रबंधक	रोडवेज डिपो, जोधपुर
		डॉ. सरिता फिडौरा	सहायक निदेशक	पर्यटन विभाग, जोधपुर
19	सुरक्षा व्यवस्था समिति	श्री शक्ति सिंह भाटी (कार्य.)	उपखण्ड अधिकारी	उपखण्ड कार्यालय, रोहट
		श्रीमती मंगलेश चुण्डावत	सी.ओ. (ग्रामीण)	पुलिस विभाग, पाली
		श्री गौरव विश्नोई	विकास अधिकारी	पंचायत समिति, रोहट
20	फोटोग्राफी, विडियोग्राफी एवं माइक ध्वनि प्रसार एवं सोशल मीडिया समिति	श्री रविन्द्र वैष्णव	पी.आर.ओ.	सूचना एवं जनसंपर्क विभाग पाली
21	एडवेंचर एवं फन बेस व्यवस्था समिति	डॉ. एस.शरथ बाबू	डी.एफ.ओ.	वन विभाग, पाली
22	कार्यालय एवं स्टेशनरी व्यवस्था समिति	श्री प्रकाशचंद सिंघाडिया	सी.डी.ई.ओ.	मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पाली

उक्त सदस्यों के समितियों से संबंधित कार्य निम्नानुसार है :–

01) निर्देशानुसार उक्त समितियों को 15 दिवस में बैठक का आयोजन कर कार्यकारी समिति को अपना प्रतिवेदन मय समिति से संबंधित कार्यों का निर्धारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगा। तत्पश्चात समय–समय पर बैठकों का आयोजन आवश्यकतानुसार करना होगा।

02) जिन कार्यों में सामग्री क्रय करने अथवा किराये पर लेना है, वो समितियां एस्टिमेट कमेटी द्वारा प्रस्तावित एस्टिमेट का परीक्षण/आवश्यक संशोधन करवाकर राज्य स्तरीय प्रिक्योरमेंट समिति/क्रय समिति को प्रस्तुत करेगी। कमेटी के समक्ष प्रस्तुत प्लान (आवश्यकता हो तो संशोधन कर) अथवा कमेटी द्वारा बनाये गये प्लान का अनुमोदन करेगी।

03) जम्बूरी स्थल पर समस्त व्यवस्थाएं कमेटी को अपनी देखरेख में समय पूर्व सुनिश्चित करवाना होगा।

04) संबंधित फर्मों को जारी कार्यादेश के अनुसार जम्बूरी स्थल पर सामग्री की गणना, गुणवत्ता का परीक्षण करना होगा एवं कार्य का प्रमाणिकरण एवं प्राप्त बिलों प्रमाणिकरण करना होगा।

05) समिति के कार्य को आवश्यकतानुसार जम्बूरी स्थल पर अपनी देखरेख में समय पूर्व सुनिश्चित करवाना होगा।

CELEBRATIONS DAYS : OCTOBER-NOVEMBER, 2022

01 October	:	International day of Older Persons
02 October	:	Gandhi/Shastri Jayanti
05 October	:	International Teachers Day
10 October	:	World Mental Health Day
31 October	:	National Unity Day
07 November	:	Scout/Guide Flag Day
14 November	:	National Children Day
25 November	:	World Environment Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

जम्बूरी विशेष

जम्बूरी विभागवार कोर कमेटियाँ

राज्य मुख्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक एफ.4(33)/संगठन/जम्बूरी/2022–23/ 2260–2261 दिनांक 30.06.2022 के द्वारा 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी के आयोजन हेतु गठित समितियों में के 29 नम्बर समिति गर्म पानी व्यवस्था समिति निम्नानुसार गठित की जाती है :–

1.	डॉ. जितेन्द्र सोनी	जिला कलेक्टर, अलवर	चैयरमेन
2.	श्री प्रमोद कुमार शर्मा	सर्कल आर्गेनाइजर (स्काउट), म.मु. जयपुर	सदस्य
3.	श्रीमती कल्पना शर्मा	सर्कल आर्गेनाइजर (गाइड) अलवर	सदस्य
4.	श्री गणेश प्रसाद गुर्जर	सर्कल आर्गेनाइजर (स्का.) रा.प्र.के. जगतपुरा	सदस्य
5.	श्री महेश कुमार कालावत	सर्कल आर्गेनाइजर (स्का.) झुन्झुनूं	सदस्य सचिव
6.	श्रीमती कृष्णा सैनी	सर्कल आर्गेनाइजर (गा.), रा.मु. जयपुर	सदस्य
7.	श्री राजेन्द्र प्रसाद मीणा	सर्कल आर्गेनाइजर (स्का.), म.मु. भरतपुर	सदस्य

कमेटी के कार्य निम्नानुसार रहेंगे –

01) जम्बूरी पदाधिकारियों, सर्विस स्टाफ एवं ओवरसीज एवं अन्य स्काउट गाइड हेतु नहाने के लिए गर्म पानी कैसे उपलब्ध करवाया जाये। 02) गर्म पानी करने के लिए कौन–कौनसे संसाधन उचित रहेंगे। 03) जम्बूरी पदाधिकारियों एवं सर्विस स्टाफ को पीने हेतु गर्म पानी उपलब्ध करवाने हेतु व्यवस्था। 04) निर्देशानुसार उक्त समिति की 15 दिवस में बैठक का आयोजन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगा। 05) कार्य हेतु सामग्री क्रय करने अथवा किराये पर लेना है, एस्टिमेट तैयार कर प्रस्तुत करना होगा। 06) जम्बूरी स्थल पर समस्त व्यवस्थाएं कमेटी को अपनी देख–रेख में समय पूर्व सुनिश्चित करवाना होगा। 07) संबंधित फर्मों को जारी कार्यादेश के अनुसार जम्बूरी स्थल पर सामग्री की गणना, गुणवत्ता का परीक्षण करना होगा एवं कार्य का प्रमाणिकरण एवं प्राप्त बिलों का प्रमाणिकरण करना होगा। 08) समिति के कार्य को आवश्यकतानुसार जम्बूरी स्थल पर अपनी देखरेख में समय पूर्व सुनिश्चित करवाना होगा।

राज्य मुख्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक एफ.4(33)/संगठन/जम्बूरी/2022–23/2260–2261 दिनांक 30.06.2022 एवं 4827 दिनांक 02.09.2022 के द्वारा 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी के आयोजन हेतु गठित समितियों में समिति नम्बर 14 सांस्कृतिक कार्यक्रम व्यवस्था समिति में निम्नांकित को चेयरमैन एवं सदस्य के रूप में सम्मिलित कर समिति का पुनर्गठन किया जाता है :–

1.	श्रीमती गायत्री ए. राठौड़	प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग एवं जरनल निदेशक, जवाहर कला केन्द्र जयपुर	चेयरमैन
2.	श्रीमती मुग्धा सिन्हा	स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)	उपचेयरमैन
3.	श्रीमती शूचि त्यागी	स्टेट कमिश्नर (रेंजर), जयपुर	उपचेयरमैन
4.	श्री टीकम चन्द बोहरा	जम्बूरी नोडल अधिकारी जयपुर	सदस्य
5.	डॉ. पुनीता सिंह	संयुक्त निदेशक, पर्यटन विभाग, जयपुर	सदस्य
6.	श्रीमती तृप्ति पाण्डे	एडिटर, जयपुर विजन जयपुर	सदस्य
7.	श्री राजेन्द्र सिंह पचार	एम.डी., पचार ग्रुप जयपुर	सदस्य
8.	श्री कुलदीप सिंह	अध्यक्ष, हॉटल एण्ड रेस्टोरेन्ट एसोसिएशन राजस्थान	सदस्य
9.	श्री भानू भारती	लेखक, उदयपुर	सदस्य
10.	श्री राजेश चेटीवाल	संस्थापक निदेशक रॉम्बस फिल्मस्	सदस्य
11.	डॉ. सुषमा सिंघवी	सहायक स्टेट कमिश्नर (गाइड)	सदस्य
12.	श्री विनोद दत्त जोशी	ए.एस.ओ.सी. (स्काउट) अजमेर	सदस्य
13.	सुश्री सुयश लोढ़ा	ए.एस.ओ.सी. (गाइड) बीकानेर	सदस्य सचिव
14.	श्रीमती नीता शर्मा	ए.एस.ओ.सी. (गाइड) जयपुर	सदस्य
15.	श्रीमती ऋतु शर्मा	जिला संगठन आयुक्त (गाइड) जयपुर	सदस्य
16.	श्री बगद सिंह राजपुरोहित	ए.एल.टी. (स्काउट) पाली	सदस्य

हमारे महापुरुष

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

◇ स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

कुछ वर्षों पूर्व एक महान व्यक्तित्व हमसे बिछड़ा जिसने पूरे देश को रूला दिया। अब समय है अपने आँसुओं को पौंछ कर भारत के इस महान सपूत के जन्मदिन पर हम उसके बताये मार्ग पर चलने का वचन लें। इनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को रामेश्वरम तमिलनाडु में हुआ। द्वीप जैसा छोटा सा शहर प्राकृतिक छटा से भरपूर था। रामेश्वरम का प्राकृतिक सौन्दर्य समुद्र की निकटता के कारण सदैव बहुत दर्शनीय रहा है। शायद इसीलिए अब्दुल कलाम जी का प्रकृति से बहुत जुड़ाव रहा है। डॉ. अब्दुल कलाम का पूरा नाम 'डॉक्टर अवुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम' है। इनके पिता 'जैनुलाब्दीन' न तो ज़्यादा पढ़े–लिखे थे, न ही पैसे वाले थे। वे नाविक थे और नियम के बहुत पक्के थे। इनके पिता मछुआरों को नाव किराये पर दिया करते थे। इनके संबंध में रामेश्वरम के हिन्दू नेताओं तथा अध्यापकों के साथ काफ़ी स्नेहपूर्ण थे।

डॉ. कलाम भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रसिद्ध वैज्ञानिक और अभियंता के रूप में विख्यात हैं। इन्हें मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता है। यह एक गैर राजनीतिक व्यक्ति रहे हैं। विज्ञान की दुनिया में चमत्कारिक प्रदर्शन के कारण ही राष्ट्रपति भवन के द्वार इनके लिए स्वतः खुल गए। जो व्यक्ति किसी क्षेत्र विशेष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है, उसके लिए सब सहज हो जाता है और कुछ भी दुर्लभ नहीं रहता। अब्दुल कलाम इस उद्धरण का प्रतिनिधित्व करते नज़र आते हैं। इन्होंने विवाह नहीं किया। इनकी जीवन गाथा किसी रोचक उपन्यास के नायक की कहानी से कम नहीं है। चमत्कारिक प्रतिभा के धनी अब्दुल कलाम का व्यक्तित्व इतना उन्नत है कि वह सभी धर्म, जाति एवं सम्प्रदायों के व्यक्ति नज़र आते हैं। यह एक ऐसे स्वीकार्य भारतीय थे, जो सभी के लिए 'एक महान आदर्श' बन चुके थे। विज्ञान की दुनिया से देश का प्रथम नागरिक बनना कपोल कल्पना मात्र नहीं है क्योंकि यह एक प्रणेता की सत्यकथा है।

जुझारू विद्यार्थी जीवन

अब्दुल कलाम जब आठ–नौ साल के थे, तब से सुबह चार बजे उठते थे और स्नान करने के बाद गणित के अध्यापक स्वामीयर के पास गणित पढ़ने चले जाते थे। स्वामीयर की यह विशेषता थी कि जो विद्यार्थी स्नान करके नहीं आता था, वह उसे नहीं पढ़ाते थे। स्वामीयर एक अनोखे अध्यापक थे और पाँच विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष निःशुल्क ट्यूशन पढ़ाते थे। इनकी माता इन्हें उठाकर स्नान कराती थीं और नाश्ता करवाकर ट्यूशन पढ़ने भेज देती थीं। अब्दुल कलाम ट्यूशन पढ़कर साढ़े पाँच बजे वापस आते थे। उसके बाद अपने पिता के साथ नमाज़ पढ़ते थे। फिर कुरान शरीफ़ का अध्ययन करने के लिए वह अरेशिक स्कूल (मदरसा) चले जाते थे। इसके पश्चात वे रामेश्वरम के रेलवे स्टेशन और बस अड्डे

पर जाकर समाचार पत्र एकत्र करते थे। इस प्रकार इन्हें तीन किलोमीटर जाना पड़ता था। उन दिनों धनुषकोड़ी से मेल ट्रेन गुजरती थी, लेकिन वहाँ उसका ठहराव नहीं होता था। चलती ट्रेन से ही अख़बार के बण्डल रेलवे स्टेशन पर फेंक दिए जाते थे। अब्दुल कलाम अख़बार लेने के बाद रामेश्वरम शहर की सड़कों पर दौड़–दौड़कर सबसे पहले उसका वितरण करते थे। अब्दुल कलाम अपने भाइयों में छोटे थे, दूसरे घर के लिए थोड़ी कमाई भी कर लेते थे, इसलिए इनकी मां का प्यार इन पर कुछ ज़्यादा ही था। अब्दुल कलाम अख़बार वितरण का कार्य करके प्रतिदिन प्रातः 8 बजे घर लौट आते थे। यह पढ़ाई और धनार्जन दोनों कार्य करते थे। शाम को स्कूल से लौटने के बाद यह पुनः रामेश्वरम जाते थे ताकि ग्राहकों से बकाया पैसा प्राप्त कर सकें। इस प्रकार कलाम ने किशोर के रूप में भाग–दौड़ करते हुए पढ़ाई और धनार्जन किया।

जिस घर में अब्दुल कलाम का जन्म हुआ, वह आज भी रामेश्वरम में मस्जिद मार्ग पर स्थित है। इसके साथ ही इनके भाई की कलाकृतियों की दुकान भी संलग्न है। यहाँ पर्यटक इसी कारण खिंचे चले आते हैं, क्योंकि अब्दुल कलाम का आवास स्थित है। 1964 में 33 वर्ष की उम्र में डॉक्टर अब्दुल कलाम ने जल की भयानक विनाश लीला देखी और जल की शक्ति का वास्तविक अनुमान लगाया। चक्रवाती तूफ़ान में पायबन पुल और यात्रियों से भरी एक रेलगाड़ी के साथ–साथ अब्दुल कलाम का पुश्तैनी गाँव धनुषकोड़ी भी बह गया था। जब वे मात्र 19 वर्ष के थे, तब द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका को भी महसूस किया। युद्ध का दानावल रामेश्वरम के द्वार तक पहुँचा था। इन परिस्थितियों में भोजन सहित सभी आवश्यक वस्तुओं का अभाव हो गया था।

उच्च शिक्षा

डॉ. कलाम ने बताया कि – एक दिन मैंने अपने अध्यापक 'श्री शिवा सुब्रहमण्यम अय्यर' से पूछा कि श्रीमान! मुझे यह बताएं कि मेरी आगे की उन्नति उड़ान से संबंधित रहते हुए कैसे हो सकती है? तब उन्होंने धैर्यपूर्वक जवाब दिया कि मैं पहले आठवीं कक्षा उत्तीर्ण करूँ, फिर हाई स्कूल। तत्पश्चात कॉलेज में मुझे उड़ान से संबंधित शिक्षा का अवसर प्राप्त हो सकता है। यदि मैं ऐसा करता हूँ तो उड़ान विज्ञान के साथ जुड़ सकता हूँ। इन सब बातों ने मुझे जीवन के लिए एक मंज़िल और उद्देश्य भी प्रदान किया। जब मैं कॉलेज गया तो मैंने भौतिक विज्ञान विषय लिया। जब मैं अभियांत्रिकी की शिक्षा के लिए 'मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी' में गया तो मैंने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का चुनाव किया। इस प्रकार मेरी ज़िन्दगी एक 'रॉकेट इंजीनियर', 'एयरोस्पेस इंजीनियर' और 'तकनीकी कर्मी' की ओर उन्मुख हुई।

कार्यक्षेत्र

1962 में वे 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' में आये। डॉ. अब्दुल कलाम को प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में भारत का पहला स्वदेशी उपग्रह (एस.एल.वी. तृतीय) प्रक्षेपास्त्र बनाने का श्रेय हासिल है। जुलाई 1980 में इन्होंने रोहिणी उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा के निकट स्थापित किया था। इस प्रकार भारत भी 'अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब' का सदस्य बन गया। 'इसरो लॉन्च व्हीकल प्रोग्राम' को परवान चढ़ाने का श्रेय भी इन्हें प्रदान किया जाता है। डॉक्टर कलाम ने स्वदेशी लक्ष्य भेदी (गाइडेड मिसाइल्स) को डिज़ाइन किया। इन्होंने अग्नि एवं पृथ्वी जैसी मिसाइल्स को स्वदेशी तकनीक से बनाया था। डॉक्टर कलाम जुलाई 1992 से दिसम्बर 1999 तक रक्षा मंत्री के 'विज्ञान सलाहकार' तथा 'सुरक्षा शोध और विकास विभाग' के सचिव थे। उन्होंने स्ट्रेटेजिक मिसाइल्स सिस्टम का उपयोग आग्नेयास्त्रों के रूप में किया। इसी प्रकार पोखरण में दूसरी बार न्यूक्लियर विस्फोट भी परमाणु ऊर्जा के साथ मिलाकर किया। इस तरह भारत ने परमाणु हथियार के निर्माण की क्षमता प्राप्त करने में सफलता अर्जित की। वे भारत सरकार के 'मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार' भी रहे।

राजनीतिक जीवन

डॉ. अब्दुल कलाम राजनीतिक क्षेत्र के व्यक्ति नहीं थे लेकिन राष्ट्रवादी सोच और राष्ट्रपति बनने के बाद भारत की कल्याण संबंधी नीतियों के कारण इन्हें कुछ हद तक राजनीतिक दृष्टि से सम्पन्न माना जा सकता है। इन्होंने अपनी पुस्तक 'इण्डिया 2020' में अपना दृष्टिकोण स्पष्ट किया है। यह भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर राष्ट्र बनते देखना चाहते थे और इसके लिए इनके पास एक कार्य योजना भी थी। परमाणु हथियारों के क्षेत्र में यह भारत को सुपर पॉवर बनाने की सोचते थे। शांति और हथियारों के सामंजस्य के संबंध में डॉ. कलाम ने कहा – ''2000 वर्षों के इतिहास में भारत पर 600 वर्षों तक अन्य लोगों ने शासन किया है। यदि आप विकास चाहते हैं तो देश में शांति की स्थिति होना आवश्यक है और शांति की स्थापना शक्ति से होती है। इसी कारण मिसाइलों को विकसित किया गया ताकि देश शक्ति सम्पन्न हो।''

राष्ट्रपति पद पर

डॉक्टर अब्दुल कलाम भारत के ग्यारवें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। इन्हें भारतीय जनता पार्टी समर्थित एन.डी.ए. घटक दलों ने अपना उम्मीदवार बनाया था, 18 जुलाई, 2002 को डॉक्टर कलाम को नब्बे प्रतिशत बहुमत द्वारा 'भारत का राष्ट्रपति' चुना गया था और इन्हें 25 जुलाई 2002 को संसद भवन के अशोक कक्ष में राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई गई। इनका कार्यकाल 25 जुलाई 2007 को समाप्त हुआ।

व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इतने महत्त्वपूर्ण व्यक्ति के बारे में कुछ भी कहना सरल नहीं है। वेशभूषा, बोलचाल के लहजे, अच्छे–खासे सरकारी आवास को छोड़कर हॉस्टल का सादगीपूर्ण जीवन, ये बातें उनके संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर एक सम्मोहक प्रभाव छोड़ती हैं। डॉ. कलाम एक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, देश के विकास और युवा मस्तिष्कों को प्रज्ज्वलित करने में अपनी तल्लीनता के साथ साथ वे पर्यावरण की चिंता भी खूब करते थे, साहित्य में रूचि रखते थे, कविता लिखते थे, वीणा बजाते थे तथा आध्यात्म से बहुत गहरे जुड़े हुए थे। उनके लिए कोई भी समय काम का समय होता था। डॉ. कलाम खानपान में पूर्णतः शाकाहारी एवं मदिरापान से बिलकुल परहेज करते थे।

शेष पृष्ठ 17 पर

बदलते परिवेश में बदले गुरुजन

शिक्षा विभाग की पत्रिका से साभार

परिवर्तन सृष्टि का अटल और अनोखा नियम है। परिवेश भी निरन्तर परिवर्तनशील है। इस संदर्भ में शिक्षकों में भी आवश्यकतानुसार अपेक्षित परिवर्तन होना जरूरी है। इसलिए विद्यालयों एवं शिक्षकों को विविध क्षेत्रों में परिवर्तन करने होंगे।

पाठ्य सामग्री का प्रभावी सम्प्रेषण

एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पूरे राज्य के सभी विद्यालयों में लागू हो गया है जो बेहद ही वैज्ञानिक मनोवृति व अनुभवी शिक्षकों की टीम के बेहतर मार्गदर्शन में लिखी पुस्तकें है। जिस उद्देश्य व लक्ष्य को ध्यान में रखकर पुस्तकों का लेखन हुआ है। वह पूरा होना आवश्यक है। इसमें बड़ी भूमिका विद्यालय तंत्र की है जिसमें शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण व निर्णायक है। हर पुस्तक के प्रारम्भ में भूमिका, प्राक्कथन और जिस उद्देश्य से पुस्तक लिखी गई है, वह लिखा होता है तो हम शिक्षक समुदाय को बहुत गंभीरता से उस दिशा में काम करना चाहिए और मेरा सुझाव यह भी है कि एनसीईआरटी की पुस्तकें जिन उद्देश्यों को लेकर लिखी गई वह शिक्षकों के माध्यम से कितने उद्देश्य पूरे हो रहे हैं इसका भी आकलन होना चाहिए क्योंकि पुस्तकें केवल विद्यार्थियों का केरियर या नौकरी हेतु युवा तैयार करने के लिए नहीं बनी है, बल्कि विद्यालयों को भावी जीवन के लिए विद्यार्थियों को बेहतरीन ढंग से तैयार करना चाहिए।

विद्यालय परिवेश-

शिक्षण और अधिगम में विद्यार्थी किस स्तर पर कितना गहरा अधिगम करते है वह विद्यालय के परिवेश पर निर्भर करता है। इस संदर्भ में विद्यालय के स्टाफ के बीच सामंजस्य होना, उनके बीच एक सैनर्जी होना बेहद महत्वपूर्ण है। वह सहयोगी के रूप में काम करें। विद्यालय अपने स्तर पर लक्ष्य बनाए और उस लक्ष्य को पूरा करने की जिम्मेदारी सारे विद्यालय स्टाफ की हो। कहने का मतलब है कि एक परिवार के रूप में विद्यालय स्टाफ चले और विद्यालय कार्य करें। इससे विद्यार्थियों को बेहतर ढंग से शिक्षा दी जा सकती है।

भावनात्मक बुद्धि का विकास -

विद्यार्थियों में भावनात्मक बुद्धि का विकास होना भी बेहद महत्वपुर्ण है क्योंकि सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थी अध्ययन करने के लिए आते है। वह समाज की विभिन्न पृष्ठभूमि, विभिन्न जातियों, विभिन्न आर्थिक स्तर एवं विभिन्न धर्मों से होते हैं, तो शिक्षक हर विद्यार्थी के साथ एक संतुलित व्यवहार करें। उसके लिए शिक्षक में भावनात्मक बुद्धि का विकास होना बेहद आवश्यक है।

शाला दर्पण पारंगतता-

बात यदि शिक्षकों के द्वारा शाला दर्पण के उपयोग की हो तो निश्चित रूप से विराट संभावनाएं है। शिक्षक शाला दर्पण का सटीक उपयोग करना सीखें, क्योंकि विद्यालय की हर छोटी और बड़ी गतिविधि, अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ शाला दर्पण पर अंकित या फीड करना होता है। तो निश्चित रूप से शिक्षकों को भी यह सब सीखना चाहिए। विद्यालय के शाला दर्पण पोर्टल को केवल एक शिक्षक ही न संभाले, बल्कि बाकी शिक्षकों को भी उसका अधिक ज्ञान होना चाहिए।

समग्र बालक का निर्माण -

सही अर्थों में विद्यालय ऐसे बालकों का निर्माण करें जिनके चेहरे पर आभा हो, बुद्धि में पांडित्य हो जिन्हें देखकर महान पूर्वजों की यादें तरोताजा हो जाए। इस संदर्भ में सब शिक्षकों को मिलकर प्रयास करना चाहिए। हमें अपना आत्म विवेचन भी करना चाहिए कि हम और क्या बेहतर कर सकते हैं क्योंकि कहा गया है कि प्रलय और सृष्टि दोनों शिक्षक की गोद में पलते है। शिक्षकों ने महान शिष्यों का सृजन किया है। शिक्षकों ने विश्व को बेहतर बनाने में अमूल्य योगदान दिया है। निश्चित रूप से शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास -

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक मनोवृति का विकास होना चाहिए। अपने सामाजिक परिवेश के प्रति उनमें जागरूकता हो। विद्याथियों में मानवतावादी दृष्टिकोण विकसित हो। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की समृद्ध

परंपरा में भारत का विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करें और वह पूरी मानव सभ्यता के लिए कुछ बेहतर कर पाए इसके लिए विद्यालयों का पूरा परिवेश बने और इस दिशा में काम करें, जिससे श्रेयस्कर परिणाम परिलक्षित होंगे।

भारतीय संविधान का आठवां मूल कर्तव्य कहता है कि वैज्ञानिक मनोवृति का विकास हो। विद्यालयों में आयोजित विज्ञान मेलों से निश्चित रूप से विद्यार्थियों में सृजनात्मकता और रचनात्मकता का गुण विकसित कर मॉडल बनाते है। अच्छे मॉडलों को हमें प्रचारित–प्रसारित करना चाहिए ताकि आगे चलकर सरकारी विद्यालयों में पढने वाला कोई विद्यार्थी अब्दुल कलाम जैसे वैज्ञानिक बन सकें। हमें विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें शब्दों से प्रेरित करना एवं पुरस्कार या अन्य तरीकों से निरंतर प्रोत्साहित करते रहना चाहिए।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार आने वाले समय में हर विद्यालय में डिजिटल पुस्तकालय, वर्चुअल लैब, ऑनलाइन शिक्षण मंच और टूल्स के विकास को सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए गुरूजनों को समय पर सतर्क हो जाना चाहिए। क्योंकि आने वाला समय विद्यालयों में कक्षा का प्रबंधन और शिक्षण का मिश्रित मॉडल के साथ ही सफर होगा।

ई–शिक्षा–

कोविड–19 मानव सभ्यता के सामने कई परेशानियाँ लेकर आई। राजस्थान शिक्षा विभाग ने कोविड–19 की अवधि में स्कूली बच्चों का अध्यापन कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए कुछ नवाचार किए है जो निश्चित रूप से मील का पत्थर तो है ही अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय भी हैं। ई–कक्षा प्रोजेक्ट का प्रांरभ करने वाला राजस्थान पहला राज्य बना। शिक्षावाणी व शिक्षा दर्शन के माध्यम से अध्ययन सामग्री विद्यार्थी तक पहुँच सकें इसके लिए भी बहुत ही सशक्त और वैज्ञानिक ढंग से राजस्थान शिक्षा विभाग निरन्तर कार्य कर रहा है। डिजिटल बोर्ड या विद्यालयों में प्रोजेक्टर लगाने की दिशा में भी शिक्षा विभाग व राजस्थान सरकार बेहद गंभीर है। कोविड–19 में विद्यार्थी को विद्यालय से दूर रखा लेकिन शिक्षा विभाग की सजगता और दृढ़ निश्चय से ई–कक्षा की परिकल्पना की गई और इस दिशा में प्रभावी कार्य किए गए जैसे ऑनलाइन शिक्षण सामग्री के वीडियो भेजना, गृहकार्य देना व संकलन करना, सप्ताह में दो दिन घर–घर संपर्क करना। यह सभी गतिविधियाँ सुचारू रूप से निरन्तर चले ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो।

सोशल मीडिया से उपलब्धियों का प्रसार–

सरकारी स्कूलों के शिक्षक सोशल मीडिया का उपयोग सरकारी विद्यालयों की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुँचाने के लिए करें। यह आदेश दबावपूर्ण परिस्थितियों से न हो बल्कि हमारे शिक्षकों में इस प्रकार की समझ विकसित करें, उन्हें प्रेरित करें अपने फेसबुक, वाट्सएप के स्टेटस, डीपी पर लगाए और जब आपकी उपलब्धियाँ जन–जन तक पहुँचेगी तो निश्चित रूप से सरकारी विद्यालयों के प्रति रूझान बदलेगा और सकारात्मक सोच विकसित होगी। सोशल मीडिया का उपयोग सरकारी अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के साथ–साथ प्रचार के लिए भी कर सकते हैं। राजस्थान सरकार की जो प्रतिबद्धता शिक्षा को लेकर दृष्टिगोचर होती है, वह जन–जन तक पहुँचनी चाहिए।

सोशल मीडिया भटकाव रोकने हेतु उपाय–

जब सोशल मीडिया के सदुपयोग की बात होती है तो उसके समानांतर मीडिया विद्यार्थियों के भटकाव का भी एक बड़ा कारण बन रहा है छोटे उपाय कारगर हो सकते हैं–

- घर में बच्चा जब स्मार्टफोन का उपयोग करे तो अपने अभिभावकों की नजर रहेगी कि वह बच्चा कौनसी सामग्री देख रहा है।
- यदि आपके घर में टी.वी. है तो वह कमरे की बजाय चौक में लगाए ताकि नजर रहे कि बच्चा क्या देख रहा है।
- बालक भी सजग रहेगा कि वह अनावश्यक सामग्री, भटकाने वाली अश्लील सामग्री, हिंसक सामग्री देखने से बचेगा।

उपाय छोटे है लेकिन संभव है कारगर साबित हो।

पृष्ठ 15 का शेष भाग

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

उनका निजी जीवन अनुकरणीय है।

सम्मान और पुरस्कार

डॉ. कलाम को अनेक सम्मान और पुरस्कार मिले हैं। मुख्यतः इन्हें भारत के नागरिक सम्मान के रूप में 1981 में पद्म भूषण, 1990 में पद्म विभूषण और 1997 में भारत रत्न सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

डॉ. कलाम का निधन

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का 83 वर्ष की अवस्था में 27 जुलाई, 2015 सोमवार को निधन हो गया। कलाम आईआईएम शिलांग में भाषण दे रहे थे। इसी वक्त उनकी तबीयत बिगड़ गई। कलाम का निधन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हुआ। कलाम के निधन का समाचार पाकर पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। 'मिसाइल मैन' के नाम से मशहूर अब्दुल कलाम ने सोमवार सुबह 11.30 बजे आख़िरी ट्वीट किया था, ''शिलॉन्ग जा रहा हूं, लिवेबल प्लेनेट अर्थ पर आईआईएम में एक कार्यक्रम में भाग लेने।''

हमारा स्वास्थ्य

पहला सुख निरोगी काया

दैनिक भीलवाड़ा लीडर से साभार

जीवन का पहला सुख भारतीय संस्कृति के अनुसार ही नहीं बल्कि जीवन की व्यावहारिकता के नजरिये से देखें तो निरोगी काया अर्थात् स्वस्थ शरीर को ही माना जाता है। जिस तरह से वाहन को चलाने के लिए पेट्रोल–डीजल या गैसोलिन आवश्यक होता है, ठीक उसी तरह शरीर को गतिशील रखने के लिए भोजन आवश्यक होता है। भोजन न केवल तन की भूख को संतुष्ट करता है बल्कि हमारी विभिन्न शारीरिक गतिविधियों के लिए पौष्टिक तत्व भी सुलभ कराता है और सबसे बड़ी बात यह कि हमें स्वस्थ रखता है। अवशोषण करने, हजम करने और अवशोषण करने के बाद शरीर इसे विभिन्न कार्यों के लिए उपयोग में लाता है।

क्या है पोषण :

वस्तुतः पोषण भोजन और स्वास्थ्य से उसके संबंध का विज्ञान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य की संकल्पना को इस प्रकार परिभाषित किया है कि न सिर्फ बीमारी या अशक्तता का अभाव बल्कि सम्पूर्ण भौतिक, सामाजिक और मानसिक रूप से अच्छे पोषण के बिना स्वास्थ्य बेहतर नहीं हो सकता। पोषण एक ऐसा विज्ञान है जो प्रकृति एवं भोजन में पौष्टिक तत्वों के वितरण, उनके उपापचयी प्रभाव और अपर्याप्त खाना खाने के परिणामों से जुड़ा हुआ है।

रासायनिक यौगिक :

भोजन में जो पौष्टिक तत्व समाहित होते हैं, उन्हें विज्ञान की भाषा में हम रासायनिक यौगिक का नाम देते हैं, जो भोजन में अवशोषित होकर स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। कुछ ऐसे आवश्यक पौष्टिक तत्व होते हैं, जिन्हें हमारा शरीर संशलिष्ट नहीं कर सकता। उनकी आपूर्ति आहार के जरिये ही की जानी चाहिये। आश्यक पौष्टिक तत्वों में विटामिन, खनिज पदार्थ, एमीनो अम्ल, वसीय अम्ल और ऊर्जा के स्त्रोत के रूप में कुछ कार्बोहाइड्रेट्स भी शामिल होते हैं। अनावश्यक पौष्टिक तत्व वे होते हैं जो शरीर अन्य यौगिक से संशलिष्ट कर सकता है तथा वे आहार से भी व्युत्पन्न किये जा सकते है।

विभाजन पौष्टिक तत्वों का :

पौष्टिक तत्व आमतौर पर वृहत् पौष्टिक तत्व और सूक्ष्म पौष्टिक तत्वों के रूप में विभाजित किये जा सकते हैं। वृहत पौष्टिक तत्व आहार और ऊर्जा की आपूर्ति संगठित करने के साथ–साथ शरीर के विकास और उसके विभिन्न क्रियाकलापों के लिए जरूरी पौष्टिक तत्व बताते हैं। कार्बोहाइड्रेट्स, वसा, प्रोटीन, सूक्ष्म खनिज तत्व और पानी वृहत् पौष्टिक तत्व है। सूक्ष्म खनिज तत्वों में विटामिन और आवश्यक सूक्ष्म खनिज तत्व होते हैं। पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक भोजन करने से पौषणिक स्थिति बढ़ती है और उसके फलस्वरूप मनुष्य की सेहत अच्छी रहती है। पौष्टिक और पर्याप्त भोजन वह होता है जो शरीर की जरूरतों के अनुसार सभी पौष्टिक तत्व सुलभ कराता है। संतुलित आहार के जरिये अच्छा पोषण मिलता है जिससे आवश्यक पौष्टिक तत्व सही व संतुलित रूप में शरीर को मिलते हैं। उच्च स्तर के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के जिए ऐसा होना बहुत जरूरी है।

महत्व शाकाहार का :

शाकाहारी आहार अधिक पौष्टिक होते हैं। इनमें विटामिन, थाईमिन, फॉलिक अम्ल, राइबोफ्लेविन तथा अनेक खनिज पदार्थ विशेष रूप से आयरन, कैल्शियम, सोडियम, पोटेशियम और आयोडीन का मिश्रण रहता है। शाकाहारी उत्पाद रक्त में कोलेस्टेरॉल के स्तर को सामान्य सीमा में रखता है और हृदय धमनी की बीमारियों से बचाने में मदद कर सकता है। जिगर हमारे शरीर में कोलेस्टेरॉल के संश्लेषण का प्रमुख स्थान है। इसमें संशलिष्ट कोलेस्टेरॉल का कुछ अंश पित्त अम्लों और पित्त लवणों में मिल जाता है। भोजन को पचाने और उसके अवशोषण में मदद करने के लिए आँत में उपस्थित पित्त भोजन को पचाने में मदद करता है। भोजन के पचने के बाद वह जिगर में जाता है, वहाँ उसे फिर से अवशोषित किया जाता है। आहारीय रेशे इस चक्र को बाधित करते हैं ताकि पित्त लवण को फिर से आँत में अवशोषित होने से बचाया जा सके इसलिए ये बिना पचे भोजन के साथ मलोत्सर्जित हो जाते हैं। रेशे कोलेस्टेरॉल

शेष पृष्ठ 20 पर

घना राष्ट्रीय पक्षी अभयारण्य

स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

पौराणिक ब्रज क्षेत्र के एक भाग भरतपुर में केवलादेव (महादेव) मंदिर की अवस्थिति के कारण केवलादेव या घना कहा जाने वाला यह असाधारण रूप से विलक्षण राष्ट्रीय उद्यान वर्ष 1985 से यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल है। इस उद्यान का क्षेत्रफल 2.873 हेक्टेयर है।

सर्दी की ऋतु में सेंकड़ों वर्षों से करीब 365 प्रजातियों के प्रवासी पक्षी अफगानिस्तान, तुर्की, चीन और सुदूर साइबेरिया तक से हजारों किलोमीटर का सफर तय कर के घना पहुँचते आये हैं, इसका उल्लेख मुग़ल सम्राट बाबर के ग्रन्थ बाबरनामा में भी आता है। दुर्भाग्य से अनेक कारणों से अब इस राष्ट्रीय पार्क में पिछले कुछ सालों में साइबेरियन क्रेन की यात्राएं और प्रवास दुर्लभ हो चले हैं।

महान पक्षी विज्ञानी सालिम अली के अनुसार पक्षियों का यह अंतर्राष्ट्रीय प्रवास, एक अनसुलझी गुत्थी, 'एक रहस्य' है। शीतकाल में पक्षी विशेषज्ञों और पर्यावरण प्रेमियों के लिए ये जगह एक तरह से स्वर्ग बन जाती है, जब लगभग 230 से ज्यादा स्थानीय प्रजातियों के अलावा विदेशी परिंदे, जिनमें साइबेरियन क्रेन सर्वाधिक उल्लेखनीय हैं, यहां निर्द्वन्द्व दाना चुगते, घोंसले बनाते, प्रजनन करते देखे जा सकते हैं।

इतिहास

इस पक्षी विहार का निर्माण लगभग 250 वर्ष पहले किया गया था, जैसा ऊपर अंकित है, इसका नाम केवलादेव (शिव) मंदिर के नाम पर रखा गया था जो इसी पक्षी विहार के परिसर में स्थित है। प्राकृतिक ढाल होने के कारण, यहाँ वर्षा के दौरान अक्सर बाढ़ का सामना करना पड़ता था। इसलिए भरतपुर के शासक महाराजा सूरजमल ने अपने शासन काल (1726 से 1763 के दौरान) यहाँ 'अजान बाँध' का निर्माण करवाया, जो दो नदियों गँभीरी और बाणगंगा के संगम पर बनवाया गया था।

संरक्षित वन क्षेत्र घोषित किये जाने से पहले सन 1850 ईस्वी से रियासत काल में केवलादेव का इलाका भरतपुर राजाओं की निजी शिकारगाह हुआ करता था, जहाँ वे और उनके शाही मेहमान मुर्गाबियों का शिकार किया करते थे। अंग्रेज़ी शासन के दौरान कई वायसरायों और प्रशासकों ने यहां हजारों की तादाद में बत्तखों और मुर्गाबियों का संहार किया था। लॉर्ड लिलिनथगो जैसे अंग्रेजों ने 1938 में एक दिन की 'शूट' में यहां चार हज़ार दो सौ तिहत्तर परिंदो को गोली का निशाना बनाया था, ये शर्मनाक–तथ्य आज भी यहां अंकित पत्थर के एक शिलालेख पर अंकित है! भारत की स्वतंत्रता के बाद भी 1972 तक भरतपुर के पूर्व राजा को उनके क्षेत्र में शिकार करने की अनुमति थी, लेकिन 1982 से उद्यान से घास काटने और हरा चारा लेने पर भी प्रतिबन्ध लगा दिया गया, जो यहाँ के किसानों, स्थानीय गुर्जर समुदाय और सरकार के बीच हिंसक–झड़पों का कारण बना क्योंकि अभयारण्य के भीतर और आसपास आज भी कई पुराने गांव आबाद हैं।

घना का भूगोल

ब्रज की पौराणिक काल से चली आ रही 'चौरासी कोस परिक्रमा' का ही भाग है भरतपुर, जहाँ की अधिकांश भूमि समतल मैदानी है, पर चार प्रमुख नदियों– रूपारेल, बाणगंगा, गंभीरी और पार्वती के कारण

इसका कुछ हिस्सा दलदली/कछारी भी है और घना के विकास में इन बरसाती जल स्रोतों का बड़ा हाथ है।

भरतपुर जिले की उत्तरी सीमाएं हरियाणा के फरीदाबाद, दक्षिण में उत्तर प्रदेश के आगरा और धौलपुर, पश्चिम में करौली अलवर और दौसा जिलों से मिलती हैं। यहां की झीलों और बांधों–मोतीमहल, साही बाँध, बारेन बाँध के अलावा बयाना तहसील के बाँध बारेठा के आसपास स्वाभाविक तौर पर पक्षियों का निवास है। 90 किलोमीटर दूर करौली जिले के पांचना बाँध से भी अभयारण्य को नियमित या अनियमित तौर पर जलापूर्ति की जाती रही है। मिट्टी आम तौर पर कछारी है। यह अभयारण्य लगभग 29 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। साल भर सिर्फ एक से दो मीटर गहरा झील का पानी झील के सिर्फ 10 वर्ग किलोमीटर में रहता है, पर इतने पानी से ही उत्पन्न जलीय वनस्पतियां मछलियों की बहुत बड़ी तादाद पैदा करती है, जिन्हें अपना भोजन बनाने के लिए कई प्रजातियों के जल–पक्षी अपना स्थाई डेरा इस अभयारण्य को बनाना पसंद करते हैं। हाँ, चिलचिलाती गर्मियों में घना का जंगल पूरा सूख जाता है, तब ट्यूबवेलों का सहारा लिया जाता है। परिंदों के दिन ग्रीष्म ऋतु में मुश्किल से निकलते हैं, पर वर्षा के आगमन के साथ ही रौनकें लौट आती हैं और सारा वन, एक दफा फिर पक्षियों की कलरव से गूंजने लगता है!

घना के जीव-जंतु

यह पक्षीशाला शीत ऋतु में दुर्लभ जाति के पक्षियों का 'दूसरा घर' बन जाती है। साईबेरियाई सारस, घोमरा, उत्तरी शाह चकवा, जलपक्षी, लालसर बत्तख आदि जैसे विलुप्तप्राय जाति के अनेकानेक पक्षी यहाँ अपना बसेरा करते हैं। सेही, सियार, अजगर, खरगोश, हिरन आदि के अलावा जंगली–बिल्ली भी यहाँ देखे जा सकते हैं।

घना की वनस्पतियां

सवाना घास के अलावा यहां Cynodon dactylon तथा Dichanthium annulatum किस्म की घास की पैदावार और कई तरह की झाड़ियाँ कुदरती हैं, जो पक्षियों के लिए उपयुक्त आवास हैं। घना में कदम्ब (Neolamarckia cadamba) और देसी बबूल के अनगिनत पेड़ हैं, जो पक्षियों के घोंसले बनाने के लिए आदर्श हैं। बरसातों में घना बाढ़ के पानी से भर जाता है और तुरंत बाद सैंकड़ों तरह की वनस्पतियाँ पूरे इलाके में सर उठा कर खड़ी हो जाती है।

भरतपुर पहुँचने के मार्ग

भरतपुर, आगरा से 35 किलोमीटर है, जहाँ के हवाई अड्डे से प्रतिदिन दिल्ली, बनारस, लखनऊ और मुम्बई की उड़ानें हैं। भरतपुर दिल्ली–मुंबई मार्ग पर बड़ी लाइन की कई रेलगाड़ियों से जुड़ा है। राष्ट्रीय राजमार्ग समेत सड़क मार्गों से भरतपुर का संपर्क देश के कई भागों से है। यहां से दिल्ली (184 किलोमीटर) जयपुर (175) अलवर (117) मथुरा (39) के बीच नियमित बस सेवाएँ हैं।

पृष्ठ 18 का शेष भाग

पहला सुख निरोगी काया

के उत्सर्जन को बढ़ाते हैं और जिगर में कोलेस्टेरॉल की उपलब्धता भी कम करते हैं। हाल ही में यह शोध भी सामने आया है कि साबुत अनाज, दलहन छिलके सहित, अनेक फल और सब्जियाँ आहारीय रेशे का समृ (स्त्रोत) होते हैं जो कोलेस्टेरॉल संश्लेषण को बाधित करते हैं। ये कार्डियो प्रोटेक्टिव एजेंट भी मूलभूत तत्वों के कारण कोशिकाओं की क्षति को रोकते हैं और इसलिए कोशिका का जीवन बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

कितना महत्वपूर्ण है शाकाहारः

शाकाहार मधुमेह के उपचार और नियंत्रण दोनों में मदद करता है। आहारीय रेशे पित्त से ग्लूकोज अवशोषण की दर को नियंत्रित करते हैं और इस प्रकार भोजन के बाद रक्त ग्लूकोज में अत्याधिक बढ़ोतरी नहीं होने देते । भोजन करने के दौरान रक्त ग्लूकोज में तेजी से कमी को भी रोका जा सकता है क्योंकि रेशे गैस को जल्दी नहीं निकलने देते। क्रोमियम और कुछ विशिष्ट विटामिन संशोधन इंसुलिन क्षमता से संबंधित भी पाये गये हैं। इस प्रकार शाकाहार ग्लूकोज सहनशीलता बढ़ाने और विशिष्ट रोगियों में औषधियों–इंसुलिन की जरूरत को कम करने में मदद करते हैं।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित गतिविधियों, शिविर इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

स्काउटर ने गायों को बांटे आयुर्वेदिक लड्डू

◈ गौ वंश में चल रहे लम्पी रोग को देखते हुए राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ जवाजा के स्काउटर 18 सितम्बर को क्वारन्टाइन सेंटर पहुंचे। स्थानीय संघ

जवाजा के सचिव सुरेश चन्द फुलवारी ने बताया कि सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान के नेतृत्व में गौ क्वारंटाइन सेंटर पहुँचे और गायों को आयुर्वेदिक लड्डू बांटे और बीमार गायों की सेवा–सुश्रुषा की। इस अवसर पर मोहन सिंह चौहान, बलराज सिंह राठौड़, मनीष कुमार सिंह, मुरली मनोहर जाटव ,सुरेश चन्द फुलवारी आदि स्काउटर एवं हर्षवर्धन शेखावत एवं स्काउट उपस्थित रहे।

कब-बुलबुल ने मनाया ओज़ोन दिवस

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भीलवाड़ा एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ओजोन दिवस पर स्थानीय संघ भीलवाड़ा के स्काउट गाइड कब बुलबुल व वन विभाग

की पूरी टीम ने मिलकर ओजोन दिवस का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हमीरगढ़ के वन विभाग की नर्सरी में आयोजित किया गया, जिसमें स्काउट गाइड के छात्र–छात्राओं ने पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया। वन विभाग के रेंज ऑफिसर व अन्य अधिकारियों के द्वारा प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले स्काउट गाइड को पुरस्कृत किया गया। रेंज ऑफिसर के निर्देशन में स्काउट गाइड ने हमीरगढ़ नर्सरी का भ्रमण किया तथा विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। स्काउट गाइड ने ओजोन दिवस पर पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया।

स्काउट गाइड का समाज सेवा शिविर सम्पन्न

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ ब्यावर का दो दिवसीय समाज सेवा शिविर तेजा मेला के अवसर पर समापन हुआ। सचिव बाबुद्दीन काठात ने बताया कि इस अवसर पर प्रभारी जिला मिश्नर भगवान सहाय जारोडिया व हेमलता चौहान ने उपस्थित गाइड को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा, संयम, समर्पण, संवेदनशीलता, सृजनात्मकता का बीजारोपण बालचर गतिविधियों के माध्यम से ही अंकुरित, पोषित एवं पल्लवित होता है। स्थानीय संघ संरक्षक जफरू राम भाटी ने

बालचरों से समर्पण के साथ समाज सेवा शिविर की सफलता की अपेक्षा की। बालचरों ने तेजा मेला में भीड़ को नियंत्रण करने, शीतल पेय जल व्यवस्था में सहयोग दिया। शिविर में राजकीय उ.मा.वि. अतीतमंड, जैन गुरूकुल, नूंद्री मेंद्रातान, महाराणा प्रताप बाल विद्या मंदिर, मिशन बालिका विद्यालय, नरसिंहपुरा बालिका विद्यालय के स्काउट एवं गाइड ने भाग लिया। इस अवसर पर आजीवन सदस्य गोपाल शर्मा, स्काउटर चंपालाल, मनोहर सोलंकी, मोहन सिंह, सुरेश फुलवारी, बलराज गाइडर पूनम चौधरी, स्तुति, ममता आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया।

स्काउट गाइड ने निकाली स्वच्छता जनचेतना रैली

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, भीलवाड़ा के तत्वावधान में 29 अगस्त को स्काउट गाइड ने स्वच्छता कार्यक्रम चलाकर सांगानेरी गेट प्रशिक्षण केंद्र परिसर की साफ सफाई की तथा मुख्य अतिथि स्काउट गाइड के प्रदेश

उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी एवं स्थानीय संघ प्रधान लक्ष्मीनारायण डाड ने स्काउट गाइड स्वच्छता जन जागरूकता रैली को सांगानेरी गेट स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्थानीय संघ सचिव एवं सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) प्रेम शंकर जोशी ने बताया कि रैली में भीलवाड़ा स्थानीय संघ क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के द्वितीय, तृतीय सोपान एवं राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 200 स्काउट– गाइड ने हाथों में स्वच्छता जागरूकता के नारे लिखी तख्तियां व बैनर लेकर जोरदार नारे लगाते हुए स्काउटर हरीश पंवार, शिवप्रसाद धोबी, देवेंद्र कुमार त्रिपाठी गाइडर संगीता व्यास, सरोज शर्मा के नेतृत्व में सांगानेरी गेट क्षेत्र में लोगों को जागरूक किया। इससे पूर्व सुबह वयोवृद्ध स्काउट लीडर एवं स्थानीय संघ के उपप्रधान मदन लाल शर्मा ने ध्वजारोहण कर चौथे दिन स्काउट गाइड शिविरों की शुरुआत की। स्काउट शिविर प्रभारी अशोक कुमार शर्मा, गाइड शिविर प्रभारी सरस्वती पारीक ने शिविरों का परिचय दिया। स्काउट प्रशिक्षक रामनिवास शर्मा, सरोज शर्मा, सर्विस स्काउट पवन बावरी, उमेश मेघवंशी, विशाल कुमावत, ऋषि शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

भरतपुर मण्डल

गाइड यूनिट लीडर बेसिक कोर्स सम्पन्न

भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, भरतपुर के तत्वावधान में आयोजित गाइड यूनिट लीडर बेसिक कोर्स में 52 अध्यापिकाओं ने प्रशिक्षणार्थ भाग लिया। कोर्स का संचालन श्रीमती उमा ए.एल.टी. गाइड द्वारा किया गया। श्री

मुकुट बिहारी गुप्ता ने उक्त कोर्स के उद्देश्य पर प्रकाश डाला तथा सात दिवसीय बेसिक कोर्स में प्रशिक्षणार्थियों को स्काउट गाइड के आधारभूत नियम, नीति, सिद्धान्त, ब्वॉय गर्ल प्रोग्राम एवं स्काउट गाइड पाठ्यक्रम की व्यवहारिक एवं सैद्धान्तिक जानकारी देकर विद्यालयों में स्काउट गाइड यूनिट का सक्रियता से संचालन हेतु तैयार किया गया। उक्त कोर्स में प्रशिक्षित अध्यापिका का कार्य विद्यालयी छात्र–छात्राओं को स्काउट गाइड के रूप में भर्ती कर उनकी योग्यता वृद्धि का प्रशिक्षण प्रदान कर समाज, समुदाय एवं देश सेवा के लिए सुनागरिक बनाना है। इस शिविर में मुरारी लाल शर्मा, पदमा मिनौचा, पूनम गुप्ता, भगवान सिंह आदि ने संचालन सहयोगी के रूप में अपनी सेवाएं दी।

जयपुर मण्डल

प्रशिक्षण केन्द्र विकास हेतु माननीय सांसद से मिले स्काउट पदाधिकारी

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के जिला संगठन आयुक्त स्काउट बसंत कुमार लाटा के नेतृत्व में गिरधारी लाल डाबर, रामलाल चौधरी, दिलीप कुमार तिवारी, हनुमान प्रसाद सिंघल, भवानी शंकर, छैल बिहारी जाखड़, बसंती लाल सैनी, बाबूलाल कुमावत सहित स्काउट गाइड पदाधिकारियों का शिष्ट मंडल सीकर के सांसद माननीय

सुमेधानंद जी सरस्वती से पिपराली आश्रम में स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र हंसनला गुहाला नीमकाथाना, प्रशिक्षण केंद्र बनाथला स्थानीय संघ दातां के विकास हेतु मिले तथा स्काउट गाइड गतिविधियों से अवगत कराया। सांसद निधि से दोनों प्रशिक्षण केंद्र विकास हेतु राशि देने हेतु सांसद महोदय से आग्रह किया जिस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय सांसद सुमेधानंद सरस्वती जी महाराज ने अधिक से अधिक सहयोग देने हेतु आश्वस्त किया और स्काउट गाइड द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों के लिए बधाई दी। जल्दी ही स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र के लिए सांसद निधि से राशि जारी की जाएगी, जिससे स्काउट गाइड प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार की समस्याओं से निजात मिलेगी।

स्काउट गाइड ग्रुप प्रशिक्षण शिविर

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में स्थानीय संघ दांता ट्रेनिंग सेंटर बनाथला में 17 से 23 सितम्बर तक डीएलएड स्काउट गाइड ग्रुप प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में तीसरे दिन ध्वजारोहण प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर रजनीश कुमार शर्मा ने किया और स्काउट गाइड का महत्व बताया। शिविर संचालक रामलाल चौधरी ने बताया की शिविर में

पायनियरिंग, ध्वजों की जानकारी, दिशा ज्ञान तथा प्राथमिक सहायता का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में गाइड कैप्टन लता शर्मा, स्काउट मास्टर फूल मोहम्मद, महावीर प्रसाद शर्मा, बाबू लाल कुमावत, मोहनलाल सुखाड़िया, अजय डमोलिया, संजय रोहिल, मनोज कुमावत, दिनेश कुमावत, अंकित कुमावत, पीताम्बर लोरा उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो महाभियान में स्काउट गाइड ने संभाली कमान

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला सीकर के तत्वावधान में जिले के विभिन्न स्थानों पर चिकित्सा विभाग द्वारा लगाए गए पल्स पोलियो अभियान के बूथ्स पर स्काउट गाइड, रोवर रेंजर ने शानदार सेवाएं प्रदान की। इसी क्रम में स्थानीय संघ रींगस के सचिव विष्णु कुमार जोशी ने बताया कि स्काउट गाइड रेंजर ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो महाभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए भैरूं जी मोड़ और सीएचसी रींगस के बूथ पर सचिव विष्णु कुमार जोशी, रेंजर मीनल शर्मा, निकिता काला, पलक सैनी, कोमल वर्मा ने पल्स पोलियो की दवा

पिला कर राष्ट्रीय कार्यक्रम में सहयोग किया। सहयोग के लिए सीएचसी प्रभारी विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि रींगस के स्काउट गाइड हर राष्ट्रीय अभियान में सहयोग करते हैं। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्काउट गाइड व इको क्लब सदस्यों ने ओजोन दिवस पर आयोजित किये विभिन्न कार्यक्रम

◈ भारत स्काउट व गाइड, वन विभाग एवं नेशनल ग्रीन कोर जिला सीकर के तत्वावधान में वीरेंद्र कृष्णिया उप वन संरक्षक सीकर, बसंत कुमार लाटा जिला संगठन आयुक्त स्काउट, पुरुषोत्तम लाल स्वामी इको क्लब प्रभारी, मोहनलाल सुखाड़िया रोवर लीडर, एडवोकेट देवीलाल स्काउट प्रभारी, धन्नालाल जाट फॉरेस्टर के नेतृत्व में विश्व ओजोन दिवस का कार्यक्रम स्मृति वन में मनाया गया, जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता जनचेतना रैली, भाषण प्रतियोगिता, प्रदर्शनी अवलोकन, वृक्षारोपण, श्रमदान और ओजोन परत को बचाने हेतु शपथ ली गई। इस अवसर पर स्काउट गाइड सदस्यों ने एक से बढ़कर एक ओजोन दिवस पर पोस्टर बनाएं। संगोष्ठी के दौरान श्री

कृष्णिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि ओजोन बचेगा तभी जीवन बचेगा इसलिए ओजोन परत को बचाएं। बसंत कुमार लाटा ने कहा कि ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले संसाधनों का कम से कम उपयोग करें और अधिक से अधिक पौधे लगाएं व भावी पीढ़ी को बचाएं। पुरुषोत्तम लाल स्वामी ने ओजोन परत को संरक्षित करने हेतु प्रायोगिक जानकारी प्रदान की एवं प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रतियोगिताओं में विजेता स्काउट एवं इको क्लब सदस्यों को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्काउट गाइड सदस्यों ने ओजोन दिवस पर जनचेतना रैली का आयोजन किया। स्मृति वन से स्काउट गाइड मुख्यालय तक बैनर व तख्तियां लेकर नारा लगाते हुए ओजोन बचाने का संदेश दिया तथा ओजोन परत बचाने की शपथ दिलाई। इसके साथ ही सीकर जिले के विभिन्न स्थानीय संघ मुख्यालय, इको क्लब एवं स्काउट गाइड ग्रुपों द्वारा ओजोन दिवस पर जन चेतना का कार्य किया गया।

स्काउट व गाइड स्थानीय संघ, शिवसिंहपुरा के ट्रूप आदर्श

विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय कोलीड़ा में स्काउट मास्टर अलिताब धोबी तथा प्रधानाचार्य सुल्तान सिंह मील के सान्निध्य में स्काउटस् व अन्य विद्यार्थियों ने मिलकर मानव श्रृंखला से भारत के नक्शे का निर्माण कर ओजोन परत के संरक्षण का संदेश देते हुए ओजोन दिवस मनाया।

सीकर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीहोट बड़ी में प्रधानाचार्य रश्मि दाधीच के निर्देशन में विश्व ओजोन दिवस के मौके पर इको क्लब प्रभारी बाबू लाल मीना ने वर्ष 2022 की थीमः 'पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करने वाला वैश्विक सहयोग' के आधार पर विभिन्न गतिविधियों व प्रतियोगिता के आयोजन सहित एक कार्यशाला का आयोजन भी कराया। व्याख्याता श्री कपिल जोशी व श्री प्रेम प्रकाश बगड़िया ने ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले मुख्य कारक प्लास्टिक पर 7 आर के सिद्धांत पर जन जागरूकता फैलाने का आह्वाहन किया।

सीकर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चौनपुरा दातां, श्री कृष्ण विद्या मंदिर सूलीयावास, राजकीय उच्च माध्यमिक खोकरो ढाणी, ज्ञानदेव पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में इको क्लब एवं स्काउट गाइड ग्रुपों द्वारा ओजोन दिवस का कार्यक्रम मनाया गया। राजकीय सावित्री बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में इको क्लब के तहत विश्व ओजोन दिवस इको क्लब प्रभारी श्रीमती इंदु शर्मा के नेतृत्व में मनाया गया। इस अवसर पर पोस्टर, निबंध और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मनाशी में भी स्काउट सदस्यों ने प्यारेलाल नायक के नेतृत्व में ओजोन दिवस मनाया।

जोधपुर मण्डल

स्काउट गाइड को किया सम्मानित

◈ मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी के अधीन संचालित मौलाना अबुल कलाम आज़ाद मुस्लिम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, जोधपुर के 45 स्काउट छात्रों के द्वितीय व तृतीय सोपान परीक्षा उत्तीर्ण करने, बाबा रामदेव मेले मसूरिया एवं लायन्स क्लब ईस्ट, जोधपुर में किये गये सेवा कार्य के उपलक्ष में इन्हें 19 सितम्बर को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सोसायटी के उपाध्यक्ष एवं सीईओ मोहम्मद अतीक ने कहा कि स्काउट छात्र स्वयं समाज के लिए सेवा का आदर्श कार्य करते है। समाज के लोग इनसे प्रेरणा ले और अपने आसपास की सामाजिक गतिविधियों में भाग लेकर दूसरों को इसके लिए जागरूक करें।

स्थानीय संघ सचिव नारायण सिंह सांखला ने कहा कि स्काउटर महेन्द्र सेन के सफल मार्गदर्शन में स्काउट छात्र सेवा के लक्ष्य में सफल हो रहे है। स्कूल प्रिन्सीपल इंतिखाब आलम ने स्काउट्स सेवाओं की सराहना करते हुए उनको राष्ट्रपति अवार्ड हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्काउटर महेन्द्र सैन ने स्काउट छात्रों की सराहनीय सेवाओं के लिए उनकी प्रशंसा की। समारोह में शिक्षक अब्दुल वहीद बैलिम, रफीक अहमद, रेखा शर्मा व संगीता पटेल सहित विद्यार्थिगण मौजूद रहे।

उदयपुर मण्डल

स्काउट गाइड ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द का अवलोकन

◈ कालीभीत स्थानीय ग्राम पंचायत के राजकीय उ.मा.विद्यालय के स्काउट गाइड ने विद्यालय समय पश्चात राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कालीभीत का अवलोकन किया। विद्यालय के स्काउटर उमेश यादव व प्रधानाचार्य सुनील स्वामी ने स्काउट गाइड के 5 ट्रूप्स का नेतृत्व किया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामपाल विश्नोई ने सभी स्काउट गाइड को मौखिक जानकारी देकर अस्पताल के सभी इकाइयों का अवलोकन करवाया। चिकित्सकीय उपकरणों व उनके उपयोग की जानकारी डॉ. विश्नोई ने दी। अवलोकन के दौरान स्काउट गाइड को महिला वार्ड, प्रसव कक्ष, लेबोरेटरी, कोल्ड चेन कक्ष आदि का अवलोकन करवाया और दवा वितरण व साल्ट की जानकारी के साथ प्राथमिक उपचार की प्रक्रिया सिखाई। इस दौरान नर्सिंग अधिकारी सुभाष सिंह जाट, तारा पटेल, लैब टेक्नीशियन हीरालाल पाटीदार, एएनएम सरिता शर्मा, दुर्गा मेघवाल, फार्मासिस्ट नारायण लाल मेघवाल सहित ट्रूप लीडर रिया, तनीषा, अर्जुन, कला प्रहलाद, किशन आदि ने अपने अपने दलों का नेतृत्व किया।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'वायुयान परिचालन' एवं 'वन विज्ञ' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

वायुयान परिचालन
AVITOR

युवा पीढ़ी में वायुयान परिचायन से संबंधी जानकारी की जिज्ञासा रहती है। वह इसके बारे में बहुत कुछ जानने के लिए लालायित रहता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए वायुयान परिचान दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसका पाठ्यक्रम निम्नानुसार है –

एविएटर (वायुयान परिचालन) : (यह बैज केवल वायु स्काउटों के लिए ही है।

1. (i) एक वायुयान के निकट होने पर अथवा हवाई अड्डे के पास होने पर सुरक्षा के सामान्य नियमों का पालन करना तथा अपनाई जाने वाली सुरक्षा–पूर्व सावधानियों की जानकारी हो।
   (ii) रात्रि व दिन, दोनों समय, वायुयान को उतरने के लिए 'हवा की दिशा' का संकेत दे और वायुयान के चक्कर लगाने में तथा उसे रोकने में सहयोग करें।
   (iii) अवरोधकों का प्रयोग करें और उन्हें पहले से ही तैयार रखे। वायुयान के रुकते और चलते समय लोगों को उससे दूर रहने के महत्व को समझाए और टूटे हुए जहाज की मशीन या उसके कल–पुर्जों के साथ छेड़छाड़ न करने की आवश्यकता से लोगों को अवगत कराना जब तक कि कोई पुलिस या विभागीय अधिकारी वहाँ न पहुँच जाए।
   (iv) वायुयान को उतरने के लिए उपयुक्त भूमि के आवश्यक अवयवों को दर्शाए और समीप में जहाज उतरने के लिए सम्भव तीन भुभागों के नाम बताए, साथ ही ट्रूप मुख्यालय से 80 कि.मी. के अन्दर स्थित प्रमुख हवाई अड्डों के कम्पास–दिशा की जानकारी रखें।
2. उड़ान के सिद्धान्त तथा हवाई अड्डे के सिद्धान्त की जानकारी हो।
3. स्वीकृत सामग्री से वायुयान की अनुकृति बनाए जो एक न्यूनतम उड़ान भर सके (तीसरी प्रकार की विधि)

ग्लाइडर :

(1) हाथ से संचालित ग्लाइडर को 25 सैकेण्ड तक संचालित करें।

(2) अधिकतम 60 मीटर रस्सी से 45 सैकेण्ड तक रस्से द्वारा खींचे जाने वाले ग्लाइडर को संचालित करें।

वायुयान :

(1) खिंचन शक्ति वाला वायुयान 30 सैकेण्ड चलाना।

(2) इंजन चालित नियंत्रण रस्सी सहित (अधिकतम 15 सैकेण्ड तक मोटर घूमना) 45 सैकेण्ड तक चलाना।

अपनी अनुकृति को बनाकर इसे सुरक्षित उड़ाने, लगभग दो मीटर तक की ऊँचाई की तीन उछाल उड़ान, सुरक्षित उड़ान भरने व उतरने का प्रदर्शन करें।

वन विज्ञ
BACKWOODSMAN

बच्चों को विभिन्न व विकट परिस्थितियों में रहना व जीवन यापन के प्रशिक्षण की आवश्यकता रहती है, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए वन विज्ञ दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। पाठ्यक्रम निम्नानुसार है –

बैक वुड्स मैन (वन विज्ञ) : –

(1) स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री से दो व्यक्तियों के लिए एक सन्तोषजनक शैल्टर और इसमें कम से कम एक रात अकेला या एक दूसरे स्काउट के साथ सोए जो कि द्वितीय सोपान न हो।

(2) बिना बर्तनों के रात्रि के लिए अपना भोजन बना सके। (दल के शिविर इस परीक्षा के लिए मान्य नहीं है)।

(3) बिना नक्शे या बिना सड़कों की मदद लिए अथवा बिना किसी पूछताछ के अकेला ही किसी अपरिचित क्षेत्र में निश्चित स्थान तक जो शुरू में दिखाई न दे, अपना रास्ता खोजने में अपनी प्रवीणता का परिचय दे।
   (I) कम्पास के प्रयोग से दिन में कम से कम 5 कि.मी. की दूरी।
   (II) रात में तारों के प्रयोग से 2 कि. मी. तक की दूरी।

(4) प्राइमस स्टोव का प्रयोग करे और दोपहर का अपना भोजन तैयार करें।

(5) पायनियरिंग में तृतीय सोपान तक के स्तर की योग्यता प्राप्त करें।

(6) प्राथमिक सहायता बॉक्स का प्रयोग करना जाने और असुरक्षित पीने के पानी से होने वाले नुकसान के बारे में जाने और उसे शुद्ध करने की विधि जाने।

(7) अपने क्षेत्र के दो जहरीले साँपों के बारे में जानकारी रखे तथा सर्प–दंश के समय क्या किया जाए, जानें।

(8) पीने के पानी को वाष्पीकरण विधि एकत्रित करने के लिए भमका–भट्टी बनाए और गन्दे पानी को पीने योग्य बनाने के लिए किसी विधि को प्रदर्शित करें।

गतिविधि पञ्चांग

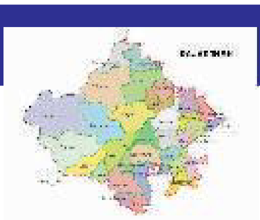

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
कब/बुलबुल उत्सव	जिला स्तर	02–03 अक्टूबर, 2022
प्रकृति अध्ययन शिविर	ग्रुप स्तर	04–06 अक्टूबर, 2022
दशहरा मेला सेवा शिविर	मण्डल कोटा	14–18 अक्टूबर, 2022
राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड अनुशंसा शिविर	जिला/मण्डल स्तर	10–12 अक्टूबर, 2022
राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर अनुशंसा शिविर	मण्डल स्तर	13–15 अक्टूबर, 2022
आत्मरक्षा प्रशिक्षण	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर	01–04 नवम्बर, 2022
पुष्कर मेला सेवा शिविर	पुष्कर, अजमेर	05–09 नवम्बर, 2022
स्काउट/गाइड झण्डा दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	07 नवम्बर, 2022

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
National Level Adult Leader Trekking	01 - 05 November, 2022	Katra, Jammu & Kashmir
Azadi ka Amrit Mahotsav - National Level Group Dance Competition	Pre.Round on 03.09.2022	Virtual
18th National Jamboree	04 - 10 January, 2023	Pali-Marwar (Rajasthan)

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
8th Friends of Asia Pacific WAGGGS Regional Gathering	07 - 09 November, 2022	Bangkok, Thailand
1st SAANSO Training Course for ALT	01 - 16 November, 2022	Sri Lanka
GYM AP Regional Youth Summit - SANGAM	07 - 11 November, 2022	Sangam, Pune
Juliette Low Seminar (JLS) 2022	02 - 11 December, 2022	Virtual
32nd Asia-Pacific Regional Scout Jamboree	11 - 19 December, 2022	Bangladesh
25th World Scout Jamboree	01 - 12 August, 2023	Saemangeum, Korea

National Headquarters website : www.bsgindia.org

ऑर्गेनाइजर्स रिव्यू मीटिंग

पाली में 12-13 सितम्बर को आयोजित ऑर्गेनाइजर्स रिव्यू मीटिंग का झण्डारोहण से शुभारम्भ व राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन मीटिंग स्थल का अवलोकन एवं अध्यक्षता करते हुए। 2 दिवसीय मीटिंग के दौरान सभी ऑर्गेनाइजर्स जम्बूरी स्थल का साइट प्लान समझते हुए तथा जम्बूरी स्थल का अवलोकन व अब तक हुए कार्यों को देखते हुए।

72वें राज्य परिषद के अधिवेशन में शिरकत के लिए राज्य संगठन अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं अन्य पदाधिकारियों के आगमन पर स्काउट बैण्ड द्वारा स्वागत (ऊपर) तथा जम्बूरी स्थल पर भूमि पूजन करते हुए राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य, जम्बूरी कॉर्डिनेटर श्री टीकम चंद बोहरा, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, संयुक्त निदेशक श्री अमर श्रेत्री एवं अन्य पदाधिकारीगण (नीचे)

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह

प्रकाशन - प्रत्येक माह

पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत

आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835

प्रेषक :-

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015

फोन : 0141-2706830, 2941098

ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti